आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, बुधवार 06 मई 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 162

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

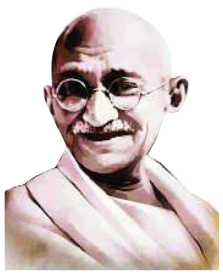

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

मेट्रो में 'सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स' की शुरुआत

पेज-2

'फूल पिशि ओ एडवर्ड' 29 को होगी रिलीज

पेज-5

70 रुपए की थाली अब 90 की हुई

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- चेन्नई : नाबालिग से साथ यौन उत्पीड़न मामले में टीवीके नेता गिरफ्तार
- कोलकाता : बीजेपी ने नवनिर्वाचित विधायकों की दोपहर 3 बजे पार्टी मुख्यालय में बुलाई बैठक
- पश्चिम बंगाल में नई विधानसभा गठन का रास्ता साफ, चुनाव आयोग ने गवर्नर को भेजा नोटिफिकेशन
- अमेरिका ने खत्म किया ऑपरेशन एपिक फ्यूरी - अब ईरान के साथ शांति और डील पर जोर
- कच्चा तेल 2 से ज्यादा टूटा : 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' पर रोक लगते ही ग्लोबल मार्केट में बड़ी हलचल
- स्पेन का बड़ा फैसला : हंता वायरस प्रभावित जहाज को कैनरी आइलैंड पर आने की मिली इजाजत
- मार्को रूबियो बोले- ट्रंप और शी की बैठक में ताइवान पर चर्चा तय ; क्षेत्रीय स्थिरता पर जोर
- केरलम में एलपीजी कीमतों के विरोध में होटल-रेस्तरां आज 24 घंटे के लिए रहेंगे बंद
- इजरायल समेत कई देशों ने की ईरानी हमले की निंदा
- यूएन ने ईरान को दिया अल्टीमेटम, इनकार करने पर दी प्रतिबंधों की चेतावनी

मंत्रियों की क्लास लेंगे सीएम मोहन यादव

ढाई साल बाद होगी 'परीक्षा' देना होगा कामों का हिसाब

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश में मोहन सरकार अपने कार्यकाल के ढाई साल पूरे करने जा रही है। 13 मई को यह पड़ाव आएगा। इससे पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंत्रियों की समीक्षा बैठक का फैसला किया है। उन्होंने 8 से 10 मई के बीच की तारीख तय की है। यह कोई सामान्य बैठक नहीं है। इसे एक तरह की परीक्षा कहा जा सकता है। सीएम खुद मंत्रियों की क्लास लेंगे। हर मंत्री को अपने विभाग, प्रभार के जिलों और नवाचार का पूरा लेखा-जोखा देना होगा।

मंत्रियों को क्या करना होगा ?

- हर मंत्री को बताना होगा कि उनके विभाग में क्या-क्या उपलब्धियां रहीं। आगे की कार्ययोजना क्या है और किन चुनौतियों से जूझना पड़ा, यह भी स्पष्ट करना होगा। जिला विकास समितियों की बैठकें कैसी रहीं और जिले की जरूरतें क्या हैं, इसका भी जवाब देना होगा।
- इसके अलावा निगम और मंडल के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों को भी योजनाओं के बारे में जानकारी देनी होगी। यानी इस बार सिर्फ मंत्री ही नहीं, पूरी व्यवस्था की समीक्षा होगी।

नवाचार पर बढ़ेंगे अंक

- बैठक में यह भी देखा जाएगा कि किस मंत्री ने जनता की मदद के लिए नए तरीके अपनाए। काम आसान बनाने वाले नवाचार को अंक मिलेंगे। जिस मंत्री ने जितना अच्छा काम किया, उनके अंक उतने ज्यादा बढ़ेंगे।

सीएम ने पहले दिए थे संकेत

- सीएम मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक में पहले ही इसके संकेत दिए थे। अब मंत्रियों को अपने काम का हिसाब देना होगा। यह बैठक उसी दिशा में एक ठोस कदम है।
- सरकार यह संदेश देना चाहती है कि सिर्फ कुर्सी पर बैठना काफी नहीं है। जनता को क्या मिला, यह सबसे ज्यादा मायने रखता है।

क्यों अहम है ये बैठक ?

- भोपाल में होने वाली यह समीक्षा बैठक पूरे मध्य प्रदेश के प्रशासन पर असर डाल सकती है। जो जिले पिछड़े हैं, उनकी जरूरतें सामने आएंगी। जो विभाग अच्छा काम कर रहे हैं, वे भी उजागर होंगे।
- यह बैठक एक तरह से लोकतांत्रिक जवाबदेही का उदाहरण भी है। जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को अपने काम का हिसाब देना ही चाहिए।

सियासत का नया अध्याय

टीवीके को समर्थन देगी कांग्रेस

चेन्नई (एजेंसी) ● तमिलनाडु की सियासत में एक नया अध्याय जुड़ गया है, जहां कांग्रेस ने अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को सरकार बनाने के लिए अपना समर्थन देने का ऐलान किया है। विधानसभा चुनाव में टीवीके ने 108 सीटों के साथ ऐतिहासिक उलटफेर करते हुए सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है, और अब कांग्रेस के 'हाथ' के साथ सत्ता की दहलीज पर खड़ी है। इस घोषणा के साथ ही तमिलनाडु में नई सरकार के गठन की दिशा स्पष्ट हो गई है, जहाँ विजय ने पहले ही कांग्रेस से समर्थन की गुहार लगाई थी। राज्य में यह राजनीतिक घटनाक्रम पारंपरिक द्रविड़ पार्टियों के वर्चस्व को चुनौती देता दिख रहा है।

दरअसल ऑल इंडिया कांग्रेस समिति ने आज इस संबंध में अंतिम फैसला तमिलनाडु इकाई पर छोड़ दिया था, जिसके बाद प्रदेश कांग्रेस ने वर्चुअल मीटिंग में टीवीके को समर्थन देने का प्रस्ताव पारित कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस द्वारा समर्थन का औपचारिक पत्र बुधवार यानी आज 6 मई को जारी होने की संभावना है। इसके बाद कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय से मुलाकात करेंगे, जिसमें गठबंधन की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा।

तमिलनाडु विधानसभा में कुल 234 सीटें

तमिलनाडु विधानसभा में कुल 234 सीटें हैं, और सरकार बनाने के लिए किसी भी दल या गठबंधन को 118 सीटों के बहुमत की आवश्यकता होती है। विजय की पार्टी टीवीके 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, लेकिन बहुमत के आंकड़े से अभी भी 10 सीटें पीछे है। कांग्रेस के समर्थन से अब यह कमी पूरी हो जाएगी, जिससे टीवीके के लिए सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। टीवीके का यह शानदार प्रदर्शन तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव लेकर आया है, जहाँ दशकों से द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम का दबदबा रहा है।

बीजेपी की जीत से ओवैसी हैरान, ममता को कोसा

कोलकाता (एजेंसी) ● एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को कहा कि भारत में मुसलमानों को तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दलों के लिए मात्र मतदाता बनने के बजाय, अधिकारों के साथ नागरिक बनने के लिए अपना स्वतंत्र राजनीतिक नेतृत्व विकसित करना चाहिए। ओवैसी ने आगे कहा, 'इतने सालों तक तथाकथित धर्मनिरपेक्ष पार्टियों पर भरोसा करने से न तो उन्हें कोई विकास मिला है और न ही अन्याय और भेदभाव खत्म हुआ है। उन्हें (समुदाय को) अपने वोट की कीमत के बारे में सोचना चाहिए। आपने महाराष्ट्र, बिहार, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में उन्हें वोट दिया, लेकिन भाजपा इन सभी राज्यों में जीत गई। ये तथाकथित धर्मनिरपेक्ष पार्टियां भाजपा को रोक नहीं पाई हैं। हमने इसे पहले भी देखा है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने नरम हिंदुत्व का सहारा लिया। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की पार्टी ने भी ऐसा ही किया और कुछ हद तक पूर्ववर्ती राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी यही किया। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस का भी यही रवैया रहा है। ओवैसी ने कहा कि पश्चिम बंगाल देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां 60 विधानसभा क्षेत्रों में मुसलमान बहुसंख्यक हैं, जबकि 20 अन्य क्षेत्रों में मुसलमान 30-40 प्रतिशत हैं, फिर भी भाजपा वहां जीत गई।

ममता के जाते ही सालों से बंद आसनसोल के दुर्गा मंदिर का खुला दरवाजा

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को बहुमत के साथ जीत मिली है। इस जीत की खुशी पूरे बंगाल में दिख रहा है। सभी लोग अपने-अपने तरीके से जश्न मना रहे हैं। वहीं आसनसोल में सालों से बंद मंदिर को खोल कर जश्न मनाया गया। बस्तिन बाजार स्थित श्री दुर्गामाता चैरिटेबल ट्रस्ट के प्राचीन दुर्गा मंदिर के द्वार आखिरकार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। सालों से बंद पड़े इस धार्मिक स्थल के खुलने से पूरे इलाके में खुशी और धार्मिक उमंग की लहर दौड़ गई है। मंदिर खुलते ही यहां बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे, मां दुर्गा की आराधना की और जयकारे लगाए।

महिलाएं मांगने गई पानी, पार्षद ने दी ज्यादा बच्चे पैदा करने की सलाह

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● वार्ड 70 लोकनायक नगर के बीजेपी पार्षद भरत सिंह रघुवंशी है। उनके क्षेत्र में बोरिंग सूख रहे हैं और पानी की सप्लाय कम है। इससे लोग परेशान है। इसी परेशानी को बताने के लिए कई महिलाएं एकजुट होकर पार्षद के पास पहुंची और अपनी समस्याएं बताई। इस पर पार्षद ने नई तरह की सीख दे दी। इस पर रघुवंशी ने महिलाओं से कहा कि परिवार तो बढ़ा होना ही चाहिए, नहीं बढ़ेगा तो काम कैसे चलेगा। मुसलमानों को देख लो उनके यहां कितने 6-6, 7-7 होते हैं। महिलाओं ने कहा कि इतने बच्चे हो जाएंगे तो नहलाएंगे कहां से पानी है कहां पर। विवाद बढ़ने पर पार्षद रघुवंशी अब मुसलमानों के अधिक बच्चों वाली बात को मजाक में कही बात बता रहे हैं।

इंदौर पॉक्सो केस में बड़ा फैसला, जांच पर उठाए सवाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिला न्यायालय ने बहुचर्चित पॉक्सो केस में अहम फैसला सुनाते हुए आरोपी युवक को दोषमुक्त कर दिया है। कोर्ट ने अपने निर्णय में न केवल साक्ष्यों की कमी को रेखांकित किया, बल्कि पुलिस जांच और शिकायतकर्ता के बयानों में गंभीर विरोधाभासों पर भी कड़ी टिप्पणी की है।

कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा कि शिकायत और गवाही में गंभीर विरोधाभास हैं। जांच के दौरान महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र नहीं किए गए। केस की बुनियादी कड़ियां कमजोर हैं। कोर्ट ने यह भी माना कि कथित घटना को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है। इसके चलते कोर्ट ने आरोपी युवक को दोषमुक्त कर दिया। कोर्ट ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह सिद्ध नहीं होता कि आरोपी ने बालिका के साथ आपराधिक बल प्रयोग या लैंगिक उत्पीड़न किया।

एडव्होकेट कृष्ण कुमार कुन्हारे ने बताया कि मामला तुकोगंज थाना क्षेत्र का है, जहां एक नाबालिग बालिका ने जून 2023 में एक युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि युवक ने उसका पीछा किया और घर में घुसकर अशोभनीय हरकत की।

दतिया में कांग्रेस अवधेश नायक पर खेल सकती है दांव!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

दतिया ● दतिया विधानसभा के संभावित उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। राजेन्द्र भारती का मामला लंबा खिचता देख उसने संभावित प्रत्याशी को लेकर भी विचार मंथन शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि वह पूर्व में विधानसभा का चुनाव लड़ चुके अवधेश नायक पर दांव खेल सकती है। वहीं उपचुनाव की स्थिति में भाजपा से पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा का मैदान में उतरना तय माना जा रहा है।

गौरतलब है कि आर्थिक अनियमितता के 25 साल पुराने मामले में हाईकोर्ट ने भारती को तीन साल की सजा सुनाई है। कोर्ट का फैसला आने के बाद विधानसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता शून्य कर सीट रिक्त होने की सूचना चुनाव आयोग को भेज दी है। भारती ने इस मामले में अपील भी की पर न्यायालय 7 ने उन्हें तत्काल राहत न देते हुए इस मामले पर सुनवाई के लिए 29 जुलाई की तिथि तय की है। इसके बाद से माना जा रहा है कि चुनाव आयोग इस सीट पर चुनाव तिथि का भी ऐलान कर सकता है। कांग्रेस ने राजेन्द्र भारती की जगह अवधेश नायक को लेकर विचार शुरू कर दिया है। अवधेश पूर्व में भारतीय जनशक्ति से विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं।

बढ़ी चिंता | 33 जिलों को पत्र, आज जेडी-डीईओ व बीईओ को वीडियो कान्फ्रेंसिंग में देना होगी पूरी जानकारी

बीईओ स्तर पर हो रहे गबन को लेकर शिक्षा विभाग एक्शन में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन (ड्राविंग एण्ड डिस्बर्सिंग ऑफीसर) यानि आहरण संवितरण अधिकारियों द्वारा किए गबन के मामलों पर सरकार सख्त हुई है। ऐसे प्रकरणों की मप्र के मुख्य सचिव शीघ्र ही समीक्षा करने जा रहे हैं। इससे चिंतित एज्युकेशन डिपार्टमेंट की चिंता बढ़ी है। इस संबंध में 33 जिलों के अधीन आने वाले जेडी के अलावा डीईओ और बीईओ को पत्र लिखा गया है। जिसमें आज इन्हें पूरी जानकारी प्रस्तुत करना होगी।

इन अधिकारियों को आज वीडियो कान्फ्रेंसिंग में गबन मामलों की पूरी जानकारी देना होगी। लोक शिक्षण संचालनालय के संयुक्त संचालक वित्त राजेश मौर्य द्वारा जो पत्र लिखा गया है। उसमें स्पष्ट किया गया है कि आयुक्त कोष लेखा द्वारा गठित एसएफआईसी के परीक्षण में आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा किए गए कपटपूर्ण गबन, दोहरे अनियमित भगतान के प्रतिवेदन संबंधित जिलों को भेजे गये थे। चूंकि उक्त प्रकरणों में शीघ्र ही मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा की जानी है। जिनकी पूरी स्थिति के संबंध में आज अपरान्ह दोपहर 2 से 4 बजे तक एनआईसी के माध्यम से वीडियो कान्फ्रेंसिंग आयोजित की जाएगी। इस कारण एसएफआईसी के परीक्षण में सामने आये प्रकरणों की वस्तु स्थिति सहित संभागीय संयुक्त संचालक जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकास खंड शिक्षा अधिकारी जिले के एनआईसी कक्ष में अद्यतन जानकारी सहित उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

इन जिलों को लिखा डीपीआई ने पत्र : लोक शिक्षण संचालनालय की वित्त शाखा द्वारा प्रदेश के आगर मालवा, इंदौर, उमरिया, कटनी, खंडवा, खरगौन, गुना, ग्वालियर, छतरपुर, छिंदवाड़ा, जबलपुर, टीकमगढ़ दतिया, दमोह, नरसिंहपुर, पन्ना, बालाघाट, बैतूल, भिंड, भोपाल, मंदसौर, मुरैना, रायसेन, शाजापुर, शिवपुरी, श्योपुर, सागर, सिंगरौली, सीहोर, सीधी हरदा, धार एवं नर्मदापुरम जिलों को पत्र लिखा गया है।

मौजूदा या अगले सप्ताह तक समीक्षा संभव : जानकारी है कि दोहरे भुगतान और गबन संबंधी मामलों को लेकर सरकार की नाराजगी है। परीक्षण में ऐसे प्रकरण सामने क्यों आये हैं। क्यों इस प्रकार की वित्तीय अनिमितता हुई है। मप्र के मुख्य सचिव शीघ्र ही समीक्षा करेंगे। मौजूदा या फिर अगले सप्ताह तक सीएस समीक्षा कर सकते हैं। नतीजतन शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने तात्कालिक तौर पर जानकारी जुटाने का प्रयास किया है।

न्यूज ब्रीफ

जिनालय में हुई चोरी से जैन समाज आक्रोशित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन नवग्रह जिनालय में विगत रात बड़ी चोरी हो गई। पूरा जैन समाज इससे बहुत ही आहत एवं आक्रोशित है। सैकड़ो श्रद्धालु आज मंदिर पहुंचे। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष विनय बाकलीवाल एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि पांच नकाबपोश चोर 5 चांदी की , चार अष्टधातु की प्रतिमाओं के अलावा 25 कलश, पांडू शिला व अन्य सामान रात्रि में एक 1.30 से 2.30 बजे के बीच चुरा कर ले गए। चोरी की खबर श्री नरेंद्र वेद जी को सुबह 5:00 बजे लगी तब वे मंदिर पहुंचे। तत्पश्चात एरोड्रम थाने के टी आई वह अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और पूरी जानकारी ली।

कैलिफ़ोर्निया बादाम में भरपूर प्रोटीन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गर्मी इस बार जल्दी आ गई है, और बीच ट्रिप्स सामने हैं, ऐसे में अपनी फिटनेस रूटीन शुरू करने का यह बिल्कुल सही समय है। जहाँ जिम सेशन ज़रूरी हैं, वहीं डाइट भी स्वस्थ शरीर का वजन बनाए रखने और उसे बेहतर आकार देने में उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। रितिका समद्दार, रीजनल हेड डाइटेटिक्स मैक्स हेल्थकेयर - नई दिल्ली कैलिफ़ोर्निया बादाम, ग्रीक योगर्ट और सैल्मन से भरपूर इस आसान, प्रोटीन से भरपूर प्लान की सिफारिश करती हैं। अपने दिन की शुरुआत कुछ कैलिफ़ोर्निया बादाम के साथ करें। प्रोटीन, हेल्दी फैट, विटामिन ई और मैग्नीशियम से भरपूर ये बादाम ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में मदद करते हैं, बिना अचानक ऊर्जा बढ़ने के। यह किसी भी फिटनेस-फोकस्ड डाइट के लिए एक बेहतरीन जोड़ हैं।

बिजली कंपनी के एमडी श्री सिंह ने किया ग्रिडों का निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक (एमडी) अनूप कुमार सिंह ने मंगलवार को शाजापुर जिले का भ्रमण किया। उन्होंने शाजापुर नगरीय क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र, कृषि क्षेत्र की बिजली आपूर्ति, मैटेनेंस, समाधान योजना क्रियान्वयन, उपभोक्ता सेवा संचालन, शिकायत निवारण इत्यादि की जानकारी ली। सिंह ने शहर से लगे मुरादपुरा स्थित 33/11 केवी सब स्टेशन का दौरा किया। 10 एमवीए क्षमता के इस ग्रिड से शाजापुर जिला मुख्यालय की बिजली आपूर्ति होती हैं।

कई अनियमितताएं पाये जाने पर एमके होटल को मौके पर किया गया सील

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर आज महू क्षेत्र में एसडीएम राकेश परमार, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और पुलिस की टीम द्वारा ग्राम संतेर (किशनगंज) में एमके होटल में फायर सेफ़्टी के लिए निरीक्षण किया गया। मौके पर पाया गया की होटल अवैध रूप से ग्राम के सरपंच पति मनोज कौशल द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिसमें बिना लाइसेंस के अवैध रूप से शराब की बिक्री की जा रही थी। जिसके संबंध में आबकारी उप निरीक्षक को मौक़े पर बुलाकर कार्रवाई की गई। होटल में फायर सेफ्टी नॉर्म्स भी नहीं पाए गए। होटल के संचालन में कई अनियमितताएं पाई गई। होटल में घरेलू सिलेंडर पाये जाने पर फ़ूड विभाग की टीम द्वारा कार्रवाई की गयी।

लोगों को इनडीड की मदद से मिलेगी नौकरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दुनिया की नं. 1 जॉब साईट और अग्रणी हायरिंग प्लेटफॉर्म, इनडीड ने अपने इनडीड ऐप का विस्तार भारत एवं 50 अन्य देशों में चैटजीपीटी के अंदर किया है। इससे पहले इसे इस साल अमेरिका में लॉन्च किया गया था। अब भारत में लॉन्च होने के बाद यह ऐप नौकरी के इच्छुकों को इनडीड की जॉब लिस्टिंग चैटजीपीटी केमाध्यम से उपलब्ध कराएगा।

मेट्रो का ऑफर : सात हजार रुपए प्रतिघंटा चुकाइए और मेट्रो के स्पेशल कोच में बर्थडे और प्री-वेडिंग शूट कीजिए

मेट्रो में 'सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स' की शुरुआत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने यात्रियों को एक अनोखा और अविस्मरणीय अनुभव देने के उद्देश्य से सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स नीति लागू की है। इस पहल के तहत अब मेट्रो ट्रेन और स्टेशन परिसरों में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जा सकेगा। इस नई सुविधा के माध्यम से मेट्रो केवल यात्रा का साधन नहीं, बल्कि खास पलों को मनाने का एक आधुनिक, सुरक्षित और सुव्यवस्थित मंच बनेगा। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक एस. कृष्ण चैतन्य ने कहा कि 'सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स' की पहल भोपाल और इंदौर की जीवंत संस्कृति, तेजी से बढ़ते शहरी परिवेश और नागरिकों की बदलती जीवनशैली को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह पहल मेट्रो को आमजन के और करीब लाने का एक प्रयास है, जिससे लोग अपने विशेष

अवसरों को मेट्रो जैसे सुरक्षित और आधुनिक वातावरण में मना सकें। इससे मेट्रो सेवाएं नागरिकों के दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनेंगी। मेट्रो के प्रति आकर्षण जगाना है उद्देश्य- दिल्ली मेट्रो सहित देशभर के शहरों में चल रही मेट्रो में भी सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स की पॉलिसी है। सबसे अधिक चार्ज दिल्ली मेट्रो का 2 से 5 लाख रुपए तक है, जिसका किराया समय और स्थान के अनुसार तय किया गया है। वहीं नोएडा मेट्रो में भी 5 से 10 हजार रुपए चार्ज है।

योजना की मुख्य विशेषताएं

- मेट्रो कोच एवं चयनित स्टेशन क्षेत्रों में आयोजन की सुविधा
- नागरिकों को आधुनिक शहरी परिवहन माहौल में सेलिब्रेशन का अनूठा अनुभव
- नॉन-फेयर रेवेन्यू बढ़ाने और इंफ्रास्ट्रक्चर के बेहतर उपयोग की दिशा में पहल
- संचालन एवं यात्रियों की सुविधा को बिना प्रभावित किए आयोजन की व्यवस्था

सुरक्षा एवं नियम

- सभी प्रतिभागियों के लिए सुरक्षा जांच अनिवार्य होगी।
- ज्वलनशील-खतरनाक सामग्री एवं फायर-बेस्ड डेकोरेशन पूरी तरह प्रतिबंधित ।
- शराब, धूम्रपान एवं किसी भी प्रकार की अव्यवस्था/पब्लिक न्यूजेंस पर सख्त रोक
- मेट्रो संचालन एवं यात्रियों की सुविधा प्रभावित नहीं होगी।
- किसी भी नुकसान की भरपाई आयोजक द्वारा की जाएगी।
- सभी कार्यक्रम सख्त सुरक्षा मानकों और मेट्रो नियमों के तहत आयोजित होंगे।

टैरिफ संरचना

- स्थिर अनडेकोरेटेड मेट्रो कोच 5,000 रु. प्रति घंटा
- गतिशील अनडेकोरेटेड मेट्रो कोच : 7,000 रु.प्रतिघंटा
- बर्थडे, प्री-वेडिग एवं किटी पार्टी हेतु अधिकतम 50 व्यक्तियों की अनुमति, इसके अतिरिक्त व्यक्तियों पर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के निर्धारित किराया नियम लागू होंगे एवं निर्धारित शुल्क देय होगा।
- प्रति कोच 20,000 रु.की सुरक्षा जमा राशि (रिफंडेबल), आयोजन के बाद नियमों के पालन पर वापस की जाएगी।

ऐसे कर सकेंगे बुकिंग

- निर्धारित आवेदन फॉर्म के माध्यम से कम से कम 15 दिन पूर्व आवेदन करना होगा
- व्यक्तिगत, संस्थागत, प्रोडक्शन हाउस एवं कंपनियां आवेदन कर सकती हैं
- 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर बुकिंग

इनकी मिलेगी अनुमति

- फिल्म शूटिंग, वेब सीरीज, डॉक्यूमेंट्री एवं विज्ञापन
- बर्थडे पार्टी एवं किटी पार्टी
- प्री-वेडिंग शूट एवं सेलिब्रेशन
- फोटोशूट एवं अन्य गतिविधियां

आवेदन कहां करें

- इच्छुक आवेदक ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से निर्धारित प्रारूप
- में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं-
- भोपाल कार्यालय : GM/DGM (Operations)

मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, सुभाष नगर डिपो, भोपाल, मप्र
ई-मेल आईडी-cri. bhopal@mpmrcl. mp.gov.in

बारिश से पहले निगम अलर्ट, आयुक्त खुद उतरे मैदान में

नदी-नालों और आउटफाल टेपिंग कार्यों का किया निरीक्षण, अफसरों को फटकार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मानसून से पहले इंदौर नगर निगम अब एक्शन मोड में नजर आ रहा है। शहर में जलभराव और गंदगी की समस्या रोकने के लिए निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल मंगलवार सुबह खुद मैदान में उतरे और शहर के कई संवेदनशील इलाकों में नदी-नालों की सफाई और आउटफॉल टेपिंग कार्यों का निरीक्षण किया।

आयुक्त ने जोन क्रमांक 2, 12 और 21 के अंतर्गत बरामथा रोड, दयानंद नगर, जोशी मोहल्ला, लालबाग के पीछे, गणगौर घाट, माणिक बाग और अशोक कॉलोनी सहित कई क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी हकीकत देखी। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर आउटफॉल टेपिंग के कार्य अधूरे मिलने पर उन्होंने अधिकारियों को तत्काल काम पूरा करने के निर्देश दिए। आयुक्त सिंघल ने कहा कि बारिश से पहले सभी नालों की सफाई और सीवेज आउटफॉल टेपिंग का काम प्राथमिकता से पूरा किया जाए, ताकि शहर में जलभराव और गंदे पानी की समस्या न हो। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता पर भी सख्ती दिखाते हुए कहा कि तय मानकों से समझौता नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य और मलेरिया विभाग को भी अलर्ट किया। गर्मी और बदलते मौसम को देखते हुए संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए फॉगिंग, दवा छिड़काव और विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। प्रभावित क्षेत्रों में लगातार मॉनिटरिंग करने को कहा गया है।

डेली कॉलेज में ओडीए पदाधिकारियों के साथ बैठक

हर मुद्दे पर हुई खुलकर बात, नए बोर्ड के गठन के बाद होगी ईओजीएम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डेली कॉलेज में इन दिनों बोर्ड ऑफ गर्वनेंस के चुनाव चल रहे हैं। इस बीच मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इसमें ओल्ड डेलियन ने सचिव मयूरध्वज सिंह के माध्यम से महाराज से मिलने का समय मांगा जिसे महाराज ने सहर्ष स्वीकार किया। इसके बाद महाराजा विक्रम सिंह पवार, हरपाल सिंह भाटिया ने ओल्ड डेलियन एसोसिएशन (ओडीए) के पदाधिकारियों के साथ बैठक की । बैठक का उद्देश्य हाल के दिनों में संविधान संशोधन एवं अन्य मुद्दों को लेकर ओल्ड डेलियन्स के बीच उत्पन्न भ्रम और शंकाओं पर खुले रूप से चर्चा करना था।

बैठक में ओडीए पदाधिकारियों की अच्छी उपस्थिति रही और पूरे संवाद का वातावरण सकारात्मक एवं सौहार्दपूर्ण रहा। विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें विशेष रूप से संविधान में हुए बदलावों और उनसे जुड़े पहलुओं को स्पष्ट करने पर जोर दिया गया।

बैठक में ओल्ड डेलियंस ने सर्वसम्मति से प्रेसिडेंट श्स्त्रडु को यह प्रस्ताव प्रेषित करने का निर्णय लिया की प्रस्तावित श्व्हत्तरू जो 10 मई को आयोजित की जानी थी, अब नए बोर्ड के गठन के बाद आयोजित की जाए। इस निर्णय के पीछे यह विचार रहा कि नए बोर्ड के गठन के बाद सभी ओल्ड डेलियन्स के साथ अधिक व्यापक और तथ्यात्मक संवाद किया जा सके। बैठक के दौरान ओडीए पदाधिकारियों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया और उन्होंने लिखित रूप में यह सुझाव भी दिया कि श्व्हत्तरू को नए बोर्ड के गठन के बाद आयोजित किया जाना उचित रहेगा। इससे सभी पक्षों को तथ्यात्मक जानकारी के आधार पर निर्णय लेने का अवसर मिल सके। बैठक में यह भी तय हुआ कि आगामी श्व्हत्तरू में महाराजा विक्रम सिंह पवार स्वयं उपस्थित रहकर सभी ओल्ड डेलियन्स को संविधान संशोधन एवं अन्य संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी देंगे। इसके साथ ही सभी शंकाओं और भ्रांतियों का समाधान किया जाएगा।

इंदौर सहकारी संस्था घोटाला : गृह निर्माण संस्था ने 3.37 करोड़ हड़पे, ईओडब्ल्यू का 7 पर शिकंजा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर की करण गृह निर्माण सहकारी संस्था में 3 करोड़ 37 लाख 75 हजार रुपए के बड़े वित्तीय घोटाले का खुलासा हुआ है। आर्थिक अपराध शाखा यानी ईओडब्ल्यू ने तत्कालीन अध्यक्ष विजय राठी सहित 7 लोगों पर धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र का मामला दर्ज किया है। इंदौर की करण गृह निर्माण सहकारी संस्था वर्षों से सदस्यों को आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से काम कर रही थी। संस्था की आम सभा ने 20 मार्च 2005 को एक अहम प्रस्ताव पारित किया था। इसमें तय हुआ कि संस्था की जमीन बेचकर नई भूमि खरीदी जाएगी। यह नई जमीन सदस्यों के हित में उपयोग होनी थी। उप पंजीयक, सहकारी संस्था इंदौर ने 2 मई 2008 को इसकी अनुमति दी। अनुमति में स्पष्ट शर्त थी कि जमीन का विक्रय सरकारी गाइडलाइन के अनुसार ही होगा। उस समय जमीन की सरकारी गाइडलाइन कीमत तीन करोड़ सैंतीस लाख पचहत्तर हजार रुपये आंकी गई थी।

जमीन औने-पौने दाम में बेची-अंकेक्षण वर्ष 2008-09 की जांच में बड़ा खुलासा हुआ। तत्कालीन अध्यक्ष विजय राठी ने संस्था की भूमि को मात्र 50 लाख रुपए में बेच दिया। यह रकम सरकारी गाइडलाइन से लगभग छह गुना कम थी। खरीदने वाली कंपनी थी रामकुंवर बिल्डर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड। इस तरह शासन द्वारा निर्धारित शर्तों का खुला उल्लंघन किया गया। संस्था के सदस्यों और सरकार दोनों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया। यह कदम पूर्णतः अवैध और जानबूझकर उठाया गया था।

ऑडिट रिपोर्ट ने खोला राज-अंकेक्षण रिपोर्ट और संबंधित अंकेक्षकों के बयानों से गबन की पुष्टि हुई। जांच टीम को स्पष्ट साक्ष्य मिले कि रकम का उपयोग गलत तरीके से किया गया। यह धन संस्था के उद्देश्य के विपरीत खर्च हुआ। ऑडिट रिपोर्ट से 3,37,75,000 रुपए के गबन की पूरी पुष्टि हो गई। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि संस्था की जमीन को निजी कंपनी को बेचकर उसी के माध्यम से रकम स्थानांतरित की गई। अंततः पैसे का गबन किया गया। यह एक संगठित वित्तीय अनियमितता का मामला था।

7 आरोपियों पर केस दर्ज-ईओडब्ल्यू इंदौर ने इस मामले में सात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इनमें संस्थाएं और व्यक्तिगत आरोपी दोनों शामिल हैं। करण गृह निर्माण सहकारी संस्था, तेजकरण इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. और रामकुंवर बिल्डर्स एंड डेवलपर्स प्रा. लि. तीनों संस्थाएं आरोपी हैं। व्यक्तिगत आरोपियों में विजय राठी, नम्रता राठी, अभय पुराणिक और ज्योति पुराणिक शामिल हैं।

3.37 करोड़ का गबन कैसे हुआ

जांच में पाया गया कि संस्था के खाते में 3 करोड़ 37 लाख 75 हजार रुपए विभिन्न चरणों में जमा हुए थे। इस रकम में गाइडलाइन मूल्य के अनुसार राशि भी शामिल थी। लेकिन यह पूरी रकम सदस्यों के लिए जमीन खरीदने में नहीं लगाई गई। अध्यक्ष विजय राठी ने नकद आहरण कर पैसे का दुरुपयोग किया। पैसे के हस्तांतरण के लिए दो कंपनियों का इस्तेमाल किया गया। पहली थी तेजकरण इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड। दूसरी थी रामकुंवर बिल्डर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड। इन कंपनियों के जरिए धन को व्यवस्थित रूप से स्थानांतरित किया गया। विजय राठी की पत्नी नम्रता राठी को रामकुंवर बिल्डर्स में पहले डायरेक्टर बनाया गया। बाद में स्वयं विजय राठी भी उसी कंपनी के डायरेक्टर बने। यह पूरा ढांचा धन गबन के लिए एक सुनियोजित षड्यंत्र के रूप में सामने आया।

दूषित पानी की समस्या को लेकर शहर कांग्रेस द्वारा निगम कार्यालय एवं निगम आयुक्त का घेराव कर ज्ञापन सौंपा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव के नेतृत्व में इंदौर नगर निगम कार्यलय एवं निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल का घेराव इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र द्वारा किया गया। इस ज्ञापन के माध्यम से निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल को अवगत कराया कि शहर में जल संकट के बीच आम जनता दूषित पानी पी रही है वहीं शहर में पानी की कालाबाजारी बड़े स्तर पर हो रही है बड़ी संख्या में बोरिंग या तो सूख गए हैं वह कई बोरिंग खराब पड़े हैं जिससे आम जनता परेशान है साथ ही जिन क्षेत्र एवं वार्डों में नर्मदा की लाइन नहीं है वहां पानी की टैंकर नहीं पहुंचा जा रहे हैं कई वार्ड एवं क्षेत्र से हैं जहां टैंकरों की आवश्यकता है, शहर में पानी अब सिर्फ सप्लाई नहीं, कारोबार बन चुका है। इस कारोबार की कीमत चुका रही है आम जनता शहर के कई इलाकों में लोग बूंद-बूंद को तरस रहे हैं।

इंदौर में 'पानी की गुमशुदगी', 8 मई को जूनी इंदौर थाने में एफआईआर दर्ज कराएगा कांग्रेस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के वार्ड क्रमांक 61,65 66 एवं में पिछले कई दिनों से जल आपूर्ति पूरी तरह से ठप होने के कारण आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि लोगों के घरों के नलों में एक बूंद पानी तक नहीं आ रहा, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसके बावजूद नगर निगम द्वारा लगातार जल कर एवं बिल वसूले जा रहे हैं, जो नागरिकों के साथ अन्यायपूर्ण है। मजबूरी में लोगों को महंगे दामों पर निजी टैंकरों से पानी खरीदना पड़ रहा है। इसी गंभीर समस्या को लेकर कांग्रेस सेवादल द्वारा 8 मई को जूनी इंदौर थाने में 'पानी की गुमशुदगी' को लेकर प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराई जाएगी।

अवैध मदिरा के विरूद्ध आबकारी इंदौर की कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार आज वृत्त बलदा कॉलोनी प्रभारी प्रियंका रानी चौरसिया की टीम के द्वारा वृत्त-बलदा कॉलोनी के क्षेत्र में सायंकालीन गश्त के दौरान एकता नगर में सब्जी के ठेले से अवैध मदिरा का विक्रय और पिपलिया पाला सर्विस रोड पर वाहन द्वारा अवैध मदिरा परिवहन एवं अवैध मदिरा विक्रय के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। आज की कार्यवाही में दो प्रकरण कायम किए गये।

सीएम योजना के नाम पर हड़पी 50 करोड़ की जमीन, कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में मुख्यमंत्री की योजना के नाम पर एक महिला से 17 बीघा जमीन, जिसकी कीमत 50 करोड़ रुपए है, धोखाधड़ी से हड़प ली गई। फरियादी महिला धामनोद की संतोष बाई हैं, जिन्होंने मंगलवार 5 मई को कलेक्टर शिवम वर्मा को इसकी शिकायत दी। आरोपी राधेश्याम सोलंकी ने धोखे से यह जमीन अपने नाम कराई।

महिल ने बताया कि राधेश्याम सोलंकी द्वारा हमारे परिवार से रिश्ता जोड़ने के नाम पर मिला था।

मेरी हातोद में जमीन है, मां के निधन के बाद बहनों ने नामांतरण नहीं कराया है। सोलंकी ने खुद को उज्जैन का पंडित बनकर मुलाकात की। फिर कुछ कागजों पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा कि यह मुख्यमंत्री के नाम की योजना है और इसमें राशि मिलेगी। इसी बहाने मेरे व परिजनों के आधार कार्ड भी ले लिए। महिला ने कहा कि फिर हमारे घर पर बायोमैट्रिक कराया, आंखों को स्कैन कराया। सोलंकी ने कहा कि जमीन का सर्वे हो रहा है और हम सभी भी यह करा रहे हैं। इस बहाने यह करा लिया और बाद में पता चला कि जमीन उन्होंने अपने नाम कर करा ली। उधर कांग्रेस ने निगम की जनसुवनाई में गर्मी में टैंकरों की कालाबाजारी की शिकायत की।

डाकघरों में नागरिकों के लिए आधार एनरोलमेंट और अपडेशन की विशेष व्यवस्था

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय डाक विभाग द्वारा इन्दौर संभाग के डाकघरों में आधार केंद्रों में नवीन आधार पंजीयन, आधार कार्ड में सुधार, बायोमेट्रिक अपडेशन, आधार डेटा में मोबाइल एवं ईमेल लिंक आदि कार्य करवाने हेतु 9 मई को विशेष अभियान चलाया जा रहा हैं। उक्त कार्यों के लिए 07 एवं 08 मई को टोकन वितरण किए जाएंगे तथा 9 मई शनिवार को प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक सभी आधार सेंटर पर एनरोलमेंट और अपडेशन का कार्य किया जाएगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, बुधवार 06 मई 2026

न्यूज ब्रीफ

बड़े बालाजी हनुमानजी को लगा 1100 फलों का भोग, हुई 108 दीपो से महाआरती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नौलखा स्थित श्री सिद्धेश्वर वीर बड़े बालाजी हनुमान मन्दिर में ज्येष्ठ महीने के पहले मंगलवार के अवसर पर हनुमान जी को 1100 फलों का भोग लगाया,108 दीपो की महाआरती हुई। मन्दिर के महंत गोकरननाथ महाराज, महंत महेशानंद महाराज ने बताया कि ज्येष्ठ महीने के पहले मंगलवार को हनुमान जी का पूजन अर्चन किया,1100 फलों का भोग लगाया, जिसमें सेवफल, अंगूर, केले, सहित अन्य फलों का भोग। 108 दीपो से महाआरती हुई। इस अवसर पर महंत प्रकाशानंद महाराज सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद थे।

इंदौर से अमरनाथ श्रद्धालुओं के दस हजार से ज्यादा मेडिकल सर्टिफिकेट बनें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर सहित इंदौर जिले से बाबा अमरनाथ के दर्शन करने जाने वाले श्रद्धालुओं का मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट बनाने का आंकड़ा 10 हजार से अधिक पार हो गया है । उल्लेखनीय है कि इस वर्ष बाबा अमरनाथ की यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 57 दिन चलेगी । जिला अस्पताल प्रबंधन के अनुसार शहर से लेकर तहसील स्तर तक तुलसी विभाग के 13 सेंटर पर जिले के श्रद्धालुओं का 15 अप्रैल से मेडिकल चेकअप किया जा रहा है । जो श्रद्धालु मेडिकल चेकअप के दौरान बिल्कुल स्वस्थ हें उनके हाथों हाथ फिटनेस सर्टिफिकेट बनाए जा रहे हैं ।जिला अस्पताल के प्रज्ञेश भट्ट के अनुसार शहर से लेकर तहसील स्तर तक के हेल्थ सेंटर पर अमरनाथ जात यात्रियों के जितने सर्टिफिकेट बनाए जा रहे हैं उनमें से 13 मेडिकल सेंटर शामिल है।

जैन धर्मसभा में नवकार महामन्त्र के 68 अक्षरों की महत्ता और 68 तीर्थों की हुई भाव यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नवकार महामंत्र के 68 अक्षर हम सबके जीवन की दशा, दिशा और सोच को बदलने में सक्षम हैं। जिन शासन की यही खूबी है कि हमारे एक-एक मन्त्र के एक-एक अक्षर में इतनी शक्ति और सम्पन्नता भरी हुई है कि हम न केवल स्वयं को बल्कि दूसरों को भी बदल सकते हैं। मात्र 68 अक्षरों के इस महामंत्र में 68 तीर्थों की महिमा का भी समावेश है। तीर्थ जीवन को श्रेष्ठ विचारों और श्रेष्ठ गुणों की दिशा में आगे बढाने का सहज-सरल माध्यम होते हैं जिन्हें हमारे तीर्थंकरों ने विरासत के रूप में हमें सौंपा है। इस धरोहर के माध्यम से हम अपनी आने वाली पीढ़ी को समाज, राष्ट्र एवं धर्म संस्कृति को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं और वक्त की मांग है कि हमें नई पौध को इन्हीं सदगुणों की ओर आगे बढ़ाना भी चाहिए। ये प्रेरक और ओजस्वी आशीर्वचन हैं प.पू. पंयास प्रवर योगरुचि विजय म.सा. के, जो उन्होंने मंगलवार को द्वारकापुरी स्थित शीतलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर के 25वें ध्वजारोहण महोत्सव में नवकार मंत्र की महत्ता बताते हुए व्यक्त किए।

एमओएस टैक्स : नगर निगम के अनुसार प्रवधानों के अनुसार ही ले रहे हैं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नगर निगम द्वारा बिल्डिंग के आसपास खाली छोड़ी गई जमीन (एमओएस) पर लगाए गए टैक्स के विरोध में हाई कोर्ट में प्रस्तुत जनहित याचिका में मंगलवार को निगम का जवाब आ गया। निगम का कहना है कि एमओएस टैक्स की वसूली प्रवधानों के अंतर्गत ही की जा रही है। इसमें कुछ भी अनियमित नहीं है। याचिकाकर्ता ने इसका विरोध किया और कहा कि वसूली के लिए सख्ती भी हो रही है।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप यह बात प्रतिउत्तर में कह सकते हैं। निगम वसूली के लिए सख्ती करता है आप ग्रीष्मावकाश के दौरान भी कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। मामले में अब ग्रीष्मावकाश के बाद सुनवाई होगी।

हाई कोर्ट में यह जनहित याचिका के माध्यम

से प्रस्तुत की है। याचिकाकर्ता का कहना है कि मकान बनाते वक्त लोग भूखंड का कुछ भाग खाली छोड़ते हैं ताकि मकान में ताजी हवा, धूप आ सके। इसे एमओएस (मार्जिनल ओपन स्पेस) कहा जाता है। भवन निर्माण के नियमों में भी एमओएस छोड़ना अनिवार्य है।

अब तक नगर निगम भवन पर तो टैक्स लेता था लेकिन एमओएस को टैक्स से छूट थी, लेकिन इस वर्ष से निगम ने एमओएस को टैक्स के दायरे में ले लिया है। इसका सीधा असर आम नागरिक की जेब पर पड़ रहा है। उन्हें 500 रुपये से लेकर चार हजार रुपये वार्षिक अतिरिक्त देना पड़ रहे हैं। नगर निगम पिछले वर्ष ही कालोनी के रेट जोन में बदलाव कर नागरिकों की जेब को फटका लगा चुकी है। अब एक अतिरिक्त बोझ नागरिकों पर डाला जा रहा है। महापौर भी एमओएस टैक्स को वापस लिए जाने की पैरवी कर चुके हैं। उन्होंने कहा था वे इस संबंध में मुख्यमंत्री से बात करेंगे।

भाजपा की स्पष्ट नीति, नियत और सक्षम नेतृत्व के फलस्वरुप बढ़ रहा जनाधार - सुमित मिश्रा

वीर सावरकर, रानी लक्ष्मीबाई व राजेंद्र धारकर मंडल की कामकाजी बैठकें सम्पन्न आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भारतीय जनता पार्टी इंदौर नगर की आगामी कार्यक्रमों को लेकर मंडलों की बैठकें नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक महेंद्र हार्डिया, गोलू शुक्ला की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। वीर सावरकर, रानी लक्ष्मीबाई व राजेंद्र धारकर मंडल की कामकाजी बैठकों में आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई। बैठक को संबोधित करते हुए नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को पश्चिम बंगाल, असम और पांडिचेरी विधानसभा चुनाव में एतिहासिक विजय की बधाई देते हुए कहा कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी हैं, उसके पीछे हमारे समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव हैं, सेंकड़ों कार्यकर्ता बलिदान हो गए, लेकिन विचारधारा को नहीं छोड़ा, कठिन संघर्ष करने के बाद बंगाल में कमल खिला है। हमारे पास स्पष्ट नीति, काम करने की नीयत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में सक्षम नेतृत्व है, जिसके फलस्वरुप हमारा जनाधार बढ़ रहा है।

श्री आनंदमयी मां का जन्म महोत्सव मना, साधु संतो के सानिध्य में पादुका पूजन, सैकड़ो दीपों से महा आरती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • एबी रोड स्थित श्रीश्री माता आनंदमयी पीठ पर श्री श्री आनंदमयी मां का जन्म महोत्सव मंगलवार को धूमधाम से मनाया जिसमें मां का पादुका पूजन, सैकड़ो दीपों से महाआरती साधु संतों के सानिध्य में की गई, 7 दिनों से चल रहें जन्म महोत्सव का समापन हुआ। स्वामी परिपूर्णानंद ने बताया कि सात दिवसीय जन्म महोत्सव के सातवें दिन मुख्य महोत्सव मना जिसमें सुबह ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं पीठाधिश्वर स्वामी केदारनाथ महाराज के पावन सानिध्य में भगवान पुर्णब्रह्मनारायण विग्रह व मां का पादुका पूजन अर्चन अभिषेक वेद मंत्रों के बीच किया। उसके बाद श्रीआनंदमई मां अष्टोत्तर शतनाम सामूहिक अर्चन व श्री ललिता सहस्त्रनाम सामूहिक अर्चन भक्तों द्वारा वेद मंत्रों के बीच किया,प्रशाद वितरण एवं विदाई कार्यक्रम हुआ। भंडारा महाप्रसादी का आयोजन हुआ जिसमें साधु संतों का सम्मान किया। वेदांत सम्मेलन में संतो के प्रवचन हुए।

पेरिस में बिखरी मध्यप्रदेश के 'बाग प्रिंट' की आभा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मप्र की समृद्ध सांस्कृतिक और हस्तशिल्प विरासत 'बाग प्रिंट' ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। प्रदेश की पारंपरिक कलाओं को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक प्रभावी कदम है। इस अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) श्रीमती अमृत राज के दूरदर्शी नेतृत्व और विशेष प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके मार्गदर्शन में हस्तशिल्पियों को वैश्विक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से एक सुदृढ़ कार्ययोजना तैयार की गई है, जिससे मध्य प्रदेश की कला को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। श्रीमती अमृत राज के प्रयासों से ही स्थानीय शिल्पकारों को आधुनिक वैश्विक मांग के अनुरूप तकनीकी सहयोग और विपणन के अवसर प्राप्त हो रहे हैं, जिससे बाग प्रिंट जैसी दुर्लभ कला का पुनरुद्धार हुआ है। नेशनल अवार्डी शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री पेरिस में आयोजित यूरोप के सबसे प्रतिष्ठित मेले 'फ़ोयर डे पेरिस' में बिलाल खत्री बाग प्रिंट का लाइव डेमोंस्ट्रेशन दे रहे हैं। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा इन्हें चयनित किया गया है। उनके द्वारा प्राकृतिक रंगों और लकड़ी के ठप्पों के माध्यम से कपड़े पर उकेरी जा रही कलाकृतियां अंतरराष्ट्रीय दर्शकों और विशेषज्ञों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। मेले के दौरान भारतीय दूतावास की थर्ड सेक्रेटरी सुश्री वर्धा खान और प्रथम सचिव माधव आर. सल्फुले ने भारतीय पवेलियन का अवलोकन किया। उन्होंने बिलाल खत्री के कौशल की सराहना करते हुए स्वयं ब्लॉक प्रिंटिंग का अनुभव लिया। उन्होंने इसे भारतीय संस्कृति का अनमोल हिस्सा बताते हुए मप्र के शिल्पकारों के समर्पण की प्रशंसा की।

गर्मी एवं लू के उपचार के लिए इंदौर में विशेष व्यवस्था

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • जलवायु परिवर्तन का मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, वर्तमान में प्रदेश में बढ़ते तापमान के कारण हिट स्ट्रोक के प्रकरणों और उनसे संबंधित मामलों में वृद्धि देखी गई है। ग्रीष्म ऋतु में तापमान बढ़ने और गर्म हवा लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती है। वृद्ध, बच्चें, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना अत्यधिक गर्मी से प्रभावित होना व तापघात के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार जिले के जिला अस्पताल, सिविल अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में लू एवं तापघात से बचाव के लिए, प्रभावित मरीजों के उपचार के लिए विशेष कक्ष बनाए गए हैं, जिसमें आवश्यक दवाईयों के साथ-साथ ओ.आर.एस. के पैकेट, कूलर एवं पंखों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इंदौर में जिला अस्पताल, सिविल अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में कुल 12 'हीट स्ट्रोक क्लिनिक' बनाए गए हैं, इसके अतिरिक्त सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उपस्वास्थ्य केन्द्रों एवं आयुष्यमान आरोग्य मंदिरों पर ओ.आर.एस. कोर्नर बनाए गए हैं।

अग्रसेन क्रिकेट महालीग के रोमांचक मुकाबले 17 से 24 मई तक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अग्रवाल समाज की तरुणाई के लिए इस बार अग्रसेन क्रिकेट क्लब की मेजबानी में 17 से 24 मई तक अग्रसेन क्रिकेट महालीग का भव्य आयोजन पीपल्याहाना, पाथ ग्राउंड स्थित महाराजा अग्रसेन चौक पर प्रतिदिन दूधिया रोशन में आयोजित होगा। अग्रसेन महालीग के नाम से यह लगातार दूसरा आयोजन हो रहा है जिसमें 16 टीमें भागीदार बनेंगी। पाथ ग्राउंड पर दर्शकों की सुविधा के लिए अनेक प्रबंध किए जा रहे हैं। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुँच गई हैं। विजेता टीमों को आकर्षक पुरस्कार भी दिए जाएँगे। मंगलवार को आयोजन से जुड़े प्रमुख परामर्शदाता गोविन्द सिंघल मामा, संजय बांकडा, राहुल गोयल बंटी, संरक्षक प्रयोग गर्ग एवं राहुल गुप्ता की मौजूदगी में विभिन्न संगठनों की ओर से आयोजन प्रमुख अनमोल अग्रवाल एवं प्रभात अग्रवाल सहित अनेक सहयोगी बंधुओं ने खजराना गणेश मंदिर पहुंचकर गणेशजी एवं कुलदेवी महालक्ष्मी को पहला न्योता सौंपकर उनसे आयोजन की सफलता के लिए प्रार्थना की।

2026 का पावन वर्षायोग: श्रमण संस्कृति के महामहिम पट्टाचार्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज संसघ का चातुर्मास संभावीत दिल्ली मे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्रमण संस्कृति के महामहिम, आध्यात्म योगी एवं चर्चा शिरोमणि *पट्टाचार्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ का 2026 का पावन वर्षायोग इस वर्ष भारत की राजधानी दिल्ली में होने जा रहा है। इस ऐतिहासिक समाचार से सम्पूर्ण भारतवर्ष के जैन समाज में हर्ष व्यापत है । धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि विगत कई वर्षों से दिल्ली नगर की समाज दिल्ली शहर में वर्षायोग के लिए प्रयासरत थे ।जेसे ही संकेत प्राप्त हुए की इस वर्ष का चातुर्मास का परम सोभाग्य दिल्ली नगर की जैन समाज को प्राप्त होने जा रहा है। समाज में उल्लास का वातावरण है। दद्दू ने कहा कि चातुर्मास का महत्व: जैन श्रमण परंपरा में *चातुर्मास* का विशेष महत्व है। वर्षाकाल के चार महीनों में आचार्यश्री एक स्थान पर विराजकर धर्म-ध्यान, स्वाध्याय, तप एवं प्रवचनों के माध्यम से समाज को सत्य, अहिंसा, मैत्री एवं 'जियो और जीने दो' का संदेश देते हैं। आचार्यश्री के सान्निध्य में पर्यूषण महापर्व में हजारों श्रावक-श्राविकाएं शिविर के माध्यम से आत्म-कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। परम गुरु भक्त डॉ जैनेन्द्र जैन ने कहा कि दिल्ली समाज में भारी उत्साह: राजधानी दिल्ली में 21वीं सदी के श्रमण संस्कृति के महामहिम पट्टाचार्य आचार्यश्री का चातुर्मास होना दिल्ली जैन समाज के लिए गौरव का विषय है।

आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास की मेजबानी में भगवान परशुराम और राष्ट्र आराधना पर व्याख्यान 10 मई को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास की मेजबानी में रविवार 10 मई को विमानतल मार्ग स्थित श्री श्री विद्याधाम पर सायं 7.30 बजे से श्री परशुराम यशोगाथा- भगवान परशुराम और राष्ट्र आराधना जैसे प्रासंगिक विषय पर महानिर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री विशोकानन्द भारती महाराज (बीकानेर-काशी-हरिद्वार-अहमदाबाद-कोलकाता) के सानिध्य और मुख्य आतिथ्य में मप्र साहित्य अकादमी, मप्र शासन के निदेशक डॉ. विकास दवे मुख्य वक्ता के रूप में अपने प्रेरक और ओजस्वी विचार व्यक्त करेंगे। न्यास के अध्यक्ष पं. दिनेश शर्मा एवं महामंत्री सुरेश शर्मा 'काका' ने बताया कि न्यास की ओर से प्रतिवर्ष भगवान श्री परशुराम पर केन्द्रित व्याख्यान के प्रासंगिक आयोजन का सिलसिला शुरू किया गया है। इस श्रृंखला में इस बार डॉ. विकास दवे मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होकर भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर अपने प्रेरक विचार व्यक्त करेंगे। पं. शर्मा एवं न्यास के अन्य पदाधिकारियों ने समाज बंधुओं, विशेषकर विप्र जनों से आग्रह किया है कि वे अपने आराध्य भगवान परशुराम से जुड़े प्रेरक और तथ्यात्मक विचारों को सुनने का यह दुर्लभ प्रसंग अवश्य आत्मसात करें।

इंदौर के विकास और समृद्धि में जितना योगदान माँ नर्मदा का, उतना किसी का नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • माँ नर्मदा केवल नदी नहीं, भारतीय समाज और सनातन संस्कृति के लिए अत्यंत पुण्यदायी और जीवन रेखा मानी जाती है। अन्य नदियों में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति का उल्लेख है लेकिन माँ नर्मदा के लिए तो केवल दर्शन करने मात्र से ही पुण्य मिलने का उल्लेख धर्मग्रंथों में किया गया है। देवी अहिल्या की इस नगरी के लाखों लोग पुण्यशाली और भाग्यशाली हैं, जिन्हें घर बैठे माँ नर्मदा के आचमन, पूजन और स्नान जैसा लाभ मिल रहा है। अपने इस शहर की समृद्धि और विकास में माँ नर्मदा का जितना योगदान है, उतना किसी अन्य का नहीं। नर्मदा केवल जलधारा नहीं, सुख, शांति और आनंद का प्रवाह बनाए रखने वाली शिवपुत्री है, जिनका जन्म

भगवान शिव की तपस्या से हुआ है। ये दिव्य विचार हैं नर्मदा परिक्रमावासी आचार्य पं. रविकांत शास्त्री के, जो उन्होंने शहर में पहली बार खजराना गणेश मन्दिर स्थित सत्संग सभागृह पर अ.भा. दादा गुरु परिवार इंदौर नर्मदा मिशन की मेजबानी में प्रारम्भ हुए 7 दिवसीय नर्मदा चिंतन ज्ञान यज्ञ के शुभारंभ सत्र में व्यक्त किए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

महिला आरक्षण पर दावे बड़े, हकीकत छोटी: चुनाव में टिकट से जीत तक क्यों सिमटी भागीदारी

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी में हुए चुनाव के दौरान कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव हुए। उनमें जीत हासिल करने वाली महिलाओं का अनुपात बेहद कम रहा। देश की सभी पार्टियां राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का एक मत से समर्थन करती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किए जाने के लिए तैंतीस फीसद आरक्षण का विधेयक पारित कराने में भी सभी दलों की भूमिका रही। मगर महिलाओं की नुमाइंदगी के सवाल पर संजीदा दिखने वाली लगभग सभी पार्टियां क्या तब तक इस मुद्दे पर ठोस पहल नहीं करेंगी, जब तक विधायिका में आरक्षण की व्यवस्था व्यवहार में लागू न हो जाए? आखिर क्या वजह है कि देश में लोकसभा या फिर विधानसभा के लिए जब भी चुनाव होते हैं, तो उसमें पर्याप्त संख्या में महिलाओं को टिकट देने को लेकर ईमानदार इच्छाशक्ति का अभाव दिखता है? गौरतलब है कि चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियों की ओर से जितनी महिलाओं को टिकट दिया गया और उनमें जीतने वालों की जो संख्या रही, वह महिला भागीदारी के सवाल पर राजनीतिक दलों के प्रचारित सरोकार के प्रति ईमानदारी को कठघरे में खड़ा करती है। दरअसल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी में हुए चुनाव के दौरान कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव हुए। उनमें जीत हासिल करने वाली महिलाओं का अनुपात बेहद कम रहा। नतीजों के मुताबिक, इन पांचों प्रदेशों में कुल पांच फीसद सीटों पर ही महिलाएं चुनी गईं। इन राज्यों में अलग-अलग पार्टियों ने महिलाओं को टिकट देने में भी अपने घोषित सरोकारों के उलट रवैया अपनाया। मसलन, पश्चिम बंगाल में दो सौ सात सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आने वाली भाजपा ने सभी 294 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे, लेकिन उसने सिर्फ तैंतीस सीटों पर महिलाओं को मौका दिया था। जबकि तृणमूल कांग्रेस ने अपनी उम्मीदवारी के 291 सीटों में से 52 महिलाओं को टिकट दिया था। नतीजतन, राज्य की कुल सीटों में से सिर्फ दस फीसद महिलाएं जीत सकीं। दूसरी ओर, तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव हुआ, जहां सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी टीवीके 234 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन उसने सिर्फ चौबीस महिलाओं को उम्मीदवार बनाया था। असम में फिर से जीतने वाली भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने 126 सीटों में से केवल छह महिलाओं को टिकट दिया। केरल में जीत हासिल करने वाली यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को मौका दिया।

जनादेश के बाद भी असहमति : ममता की रणनीति या जिद

पश्चिम बंगाल में 2026 विधानसभा चुनाव के नतीजों ने न केवल 15 साल पुरानी तृणमूल कांग्रेस की सत्ता का अंत किया, बल्कि गंभीर संवैधानिक टकराव की भूमिका भी बना दी है। भाजपा ने 293 सीटों के नतीजों के अनुसार 294 सदस्यीय सदन में 207 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत पाया, जबकि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सिर्फ 80 सीटों पर सिमट गई। ममता बनर्जी ने परिणामों को 'साजिश' और 'जनादेश की लूट' बताते हुए इस्तीफा देने से इनकार कर दिया। उनका बयान 'मैं हारी नहीं, इसलिए राजभवन नहीं जाऊंगी' बंगाल की राजनीति को नए मोड़ पर ले गया है। ममता बनर्जी खुद भवानीपुर सीट पर शुभेंदु अधिकारी से हारी हैं। 92.93% के उच्च मतदान के बावजूद उनका इनकार लोकतंत्र की मूल भावना—जनता के निर्णय—को चुनौती देता है। यह हालात राज्य में अस्थिरता, हिंसा और प्रशासनिक संकट की आशंका बढ़ा रहे हैं।

लोकतंत्र की कसौटी पर बंगाल: जनादेश बनाम व्यक्तिवाद

जनता का आदेश बनाम राजनीतिक अड़ियलपन: बंगाल में बढ़ता संकट

ममता बनर्जी का रुख चुनावी नतीजों को सीधी चुनौती देता है-यह हार स्वीकार न करने का संकेत है। उन्होंने 100 से अधिक सीटों में धांधली, चुनाव आयोग पर पक्षपात और अपनी नैतिक जीत का दावा किया। ममता ने कहा कि असली लड़ाई भाजपा नहीं, बल्कि चुनाव आयोग से थी। हालांकि, आयोग ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बताते हुए वोटर लिस्ट संशोधन सहित हर कदम का बचाव किया। ममता का 'राजभवन नहीं जाऊंगी' बयान न केवल राज्यपाल के संवैधानिक अधिकारों की अवमानना है, बल्कि शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण की लोकतांत्रिक परंपरा को भी आघात पहुंचाता है। जब जनता स्पष्ट जनादेश दे चुकी हो, तब सत्ता से चिपके रहना लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। बंगाल में पहले से मौजूद ध्रुवीकरण और पोस्ट-पोल हिंसा इस टकराव से और तीव्र हो सकती है।

संवैधानिक प्रावधान इस विवाद के केंद्र में हैं। अनुच्छेद 164(1) के अनुसार मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल राज्यपाल की 'प्रसन्नता' पर पद धारण करते हैं। बहुमत खोने पर राज्यपाल इस्तीफा मांग सकते हैं या फ्लोर टेस्ट करवा सकते हैं। एस.आर. बोम्मई बनाम भारत संघ में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकार की विश्वसनीयता का परीक्षण सदन के फ्लोर पर ही होगा, न कि गवर्नर की निजी राय पर। यदि ममता इस्तीफा नहीं देतीं, तो राज्यपाल विशेष सत्र बुलाकर फ्लोर टेस्ट का आदेश दे सकते हैं। 207 बनाम 80 के आंकड़ों में फ्लोर टेस्ट में टीएमसी के लिए बहुमत साबित करना असंभव है। इसके बाद मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना या बर्खास्त होना पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, राज्यपाल का यह अधिकार स्पष्ट है और इसे मनमानी नहीं कहा जाएगा।

यदि ममता फ्लोर टेस्ट से बचने या सदन की कार्यवाही से लगातार इनकार करती हैं, तो राज्यपाल के पास बर्खास्तगी और अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन लागू करने का संवैधानिक विकल्प भी उपलब्ध हो जाता है। कई पूर्व सॉलिसिटर जनरल और संवैधानिक विशेषज्ञ मानते हैं कि बहुमत खोकर भी सत्ता में बने रहना संवैधानिक तंत्र के पूर्ण विफल होने का स्पष्ट संकेत है। इतिहास में महाराष्ट्र, कर्नाटक और अन्य राज्यों में ऐसी परिस्थितियां कई बार सामने आई हैं, जहां राज्यपाल ने फ्लोर टेस्ट अनिवार्य कराया या सरकार को बर्खास्त किया। ममता के मामले में भी यही स्थापित संवैधानिक प्रक्रिया अपनाई जा सकती है, ताकि लोकतंत्र और सुशासन की रक्षा प्रभावी रूप से सुनिश्चित हो सके।

इस टकराव के राजनीतिक और सामाजिक आयाम अत्यंत गहरे और व्यापक हैं। ममता ने इंडिया गठबंधन से समर्थन मांगा और केंद्र पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, भाजपा नई सरकार बनाने की सक्रिय और निर्णायक तैयारी में है। यह बदलाव 1937 के बाद बंगाल में पहली दक्षिणपंथी सरकार के उदय का संकेत है। टीएमसी शासन के दौरान भ्रष्टाचार, संदेशखाली जैसी घटनाएं, आरजी कर कांड, हिंसा और प्रशासनिक लापरवाही के आरोपों ने मतदाताओं को भाजपा की ओर निर्णायक रूप से मोड़ा। ममता का इनकार न केवल सत्ता के लोभ और व्यक्तिवाद को उजागर करता है, बल्कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण की परंपरा को भी गंभीर चुनौती देता है। पोस्ट-पोल तनाव और कार्यालय तोड़फोड़ की बढ़ती घटनाएं स्थिति को और अधिक जटिल बना रही हैं।

संभावित परिणाम और चुनौतियां अनेक, जटिल और दूरगामी हैं। राज्यपाल यदि शीघ्र और निर्णायक कार्रवाई करते हैं तो बंगाल में अल्पकालिक राष्ट्रपति शासन लागू हो सकता है, जिसके बाद नई सरकार का गठन संभव होगा। लेकिन इससे कानून-व्यवस्था बिगड़ने और व्यापक विरोध प्रदर्शनों के उभरने की आशंका और प्रबल होगी। दूसरी ओर, यदि ममता अदालत का रुख करती हैं, तो सुप्रीम कोर्ट बोम्मई फैसले के आधार पर त्वरित फ्लोर टेस्ट का आदेश दे सकता है। यह पूरा प्रकरण भारत की संघीय व्यवस्था की वास्तविक मजबूती और संतुलन की गंभीर परीक्षा भी है। केंद्र-राज्य संबंधों में संतुलन बनाए रखना और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रभावी रक्षा करना अत्यंत आवश्यक और अनिवार्य है।

जब संस्थाएं और जनादेश आमने-सामने खड़े हों, तब लोकतंत्र की असली कसौटी सामने आती है—बंगाल आज उसी मोड़ पर है। जनादेश सर्वोपरि होता है और हर नेता को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर उसे स्वीकार करना चाहिए—यही सच्ची और परिपक्व लोकतांत्रिक परंपरा है। ममता बनर्जी को अब सदन में बहुमत साबित करने का अवसर मिलना चाहिए या शांतिपूर्वक सत्ता हस्तांतरण करना चाहिए। राज्यपाल, चुनाव आयोग और न्यायपालिका संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप समाधान निकालेंगे। इससे बंगाल में स्थिर और प्रभावी सरकार बनेगी तथा विकास की नई राह खुलेगी। यह टकराव ममता बनाम राज्यपाल से आगे बढ़कर लोकतंत्र बनाम व्यक्तिवाद का व्यापक प्रश्न बन गया है। शांतिपूर्ण और संवैधानिक समाधान ही बंगाल की जनता की सर्वोच्च अपेक्षा है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्
बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

नए एसपी सचिन शर्मा ने संभाली जिम्मेदारी कहा- महिला अपराधों में अंकुश लगाइए

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिले के नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने मंगलवार को विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालने के बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए जिले की कानून व्यवस्था को लेकर अपनी कार्ययोजना साझा की। एसपी शर्मा ने स्पष्ट किया कि जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत और प्रभावी बनाना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। एसपी सचिन शर्मा ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर अपराधों पर सख्त नियंत्रण रखने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि कामकाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही अवैध गतिविधियों, नशे के अवैध कारोबार और असामाजिक तत्वों के खिलाफ भी पुलिस द्वारा सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। ऐसे गंभीर मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए

पीड़िताओं को जल्द से जल्द न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता रहेगी। इसके अलावा महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर समाज में जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। अपराधों की रोकथाम के लिए जिले में नियमित गश्त बढ़ाई जाएगी और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस विशेष निगरानी रखेगी। एसपी ने बताया कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित किया जाएगा, ताकि आम नागरिक बिना किसी भय के अपनी समस्याएं बता सकें। इसके लिए जनसुनवाई और थाना स्तर पर संवाद कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिससे पुलिस की कार्यक्षमता और जवाबदेही भी बढ़ेगी।

प्रदेश कांग्रेस सह प्रभारी उषा नायडू आज बुरहानपुर में समन्वय समिति की बैठक लेंगी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी की सह प्रभारी उषा नायडू कल (6 मई) को बुरहानपुर और नेपानगर का दौरा करेंगी। वे इन दोनों स्थानों पर कांग्रेस समन्वय समिति की बैठकें लेंगी और संगठनात्मक चर्चा करेंगी। शहर कांग्रेस अध्यक्ष रिंकू टाक ने बताया कि बुरहानपुर में यह बैठक एक निजी होटल में आयोजित होगी। इसमें कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल होंगे। नेपानगर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रकाश सिंह बैस के अनुसार, उषा नायडू दोपहर 2 बजे नेपानगर पहुंचेंगी। यहां वे अणुव्रत भवन में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों, मंडलम अध्यक्षों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करेंगी। बैस ने बताया कि इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाना है। आगामी चुनावों में सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की एकजुटता सुनिश्चित करने के लिए समन्वय समिति की बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

आउटसोर्स कर्मचारियों को दो माह से वेतन नहीं, शिकायत करने कलेक्ट्रेट पहुंचे

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिले की कुक्षी तहसील के विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला है। इससे उनकी आजीविका पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों ने ठेकेदार निजी कंपनी द्वारा वेतन का भुगतान न किए जाने के संबंध में धार कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा है। कुक्षी सिविल अस्पताल में कार्यरत डाटा ऑपरेटर कान्हा सोलंकी ने बताया कि उन्हें दो महीने से वेतन नहीं मिला है। निजी एजेंसी लगातार भुगतान का आश्वासन दे रही है, लेकिन वेतन न मिलने के कारण परिवार का गुजारा चलाना मुश्किल हो गया है। कर्मचारी किराना दुकानों से उधार लेकर किसी तरह काम चला रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें श्रम मंत्रालय द्वारा जारी वेतन गाइडलाइन से 40 प्रतिशत कम वेतन दिया जा रहा है। मासिक 14 से 15 हजार रुपये के बजाय उन्हें केवल 8 से 9 हजार रुपये का भुगतान किया जा रहा है। यह भुगतान भी समय पर नहीं मिलता और निजी एजेंसी इसमें से ईपीएफ की राशि भी काट लेती है। प्रदेश भर में स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत इन आउटसोर्स कर्मचारियों ने कोरोना काल में भी अपनी जान जोखिम में डालकर लगातार काम किया था। इसके बावजूद, शासन द्वारा उन्हें आज तक संविदा कर्मचारियों की मान्यता नहीं दी गई है। ये कर्मचारी

पिछले 10-15 वर्षों से सफाईकर्मी, डाटा ऑपरेटर, वार्डबॉय, ऑक्सीजन टेक्नीशियन, सुरक्षाकर्मी और ओपीडी ऑपरेटर सहित अस्पतालों में कई महत्वपूर्ण कार्य नाम मात्र के वेतन पर कर रहे हैं। धार जिले में लगभग 500 आउटसोर्स कर्मचारी लंबे समय से कार्यरत हैं। धार जिले में बुंदेलखंड सिक्योरिटी नामक निजी एजेंसी आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन देती है। आरोप है कि यह एजेंसी सीएमएचओ कार्यालय से तो पूरा वेतन प्राप्त करती है, लेकिन कर्मचारियों को श्रम मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुसार भुगतान नहीं करती है।

खलघाट हाईवे पर 7 मई को कांग्रेस का चक्काजाम, कई जिलों के किसान-नेता जुटेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिले के खलघाट स्थित मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे पर 7 मई को कांग्रेस प्रदेश स्तरीय आंदोलन करेगी। पार्टी ने चक्काजाम की तैयारियां तेज कर दी हैं, जिससे यातायात प्रभावित होने की संभावना है। इस आंदोलन में धार, खरगोन सहित आसपास के कई जिलों के किसान, कार्यकर्ता और नेता बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इससे हाईवे पर लंबे समय तक यातायात बाधित रह सकता है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चक्काजाम के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता होगी। एम्बुलेंस सहित आवश्यक सेवाओं को प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। कांग्रेस का कहना है कि यह आंदोलन किसानों की प्रमुख मांगों को लेकर किया जा रहा है। पार्टी फसल का उचित मूल्य, कर्ज राहत और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग कर रही है। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि बड़ी संख्या में किसान इस आंदोलन में शामिल होकर अपनी आवाज उठाएंगे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी ने बताया कि आंदोलन में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव सहित कई वरिष्ठ नेता, विधायक

और पदाधिकारी शामिल होंगे। इसे प्रदेश स्तर का एक बड़ा शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। नेशनल हाईवे पर प्रस्तावित चक्काजाम को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। यातायात डायवर्जन, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। 7 मई को होने वाला यह आंदोलन क्षेत्र की राजनीति और यातायात दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। इस पर प्रशासन और आमजन की नजर बनी हुई है।

जनसुनवाई में कलेक्टर को 'बिकाऊ' कहा-किसान पिता-पुत्र को जेल

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान किसान पिता-पुत्र ने कलेक्टर को 'बिकाऊ' कह दिया। दोनों हंगामा करने लगे। जिसके बाद प्रशासन ने किसान पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। सिटी मजिस्ट्रेट का कहना है कि दोनों मारपीट की स्थिति बना रहे थे, इसलिए कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि जेल में दोनों सुरक्षित हैं। करीब 6 घंटे बाद रात में उन्हें जमानत पर छोड़ दिया गया। घटना के विरोध में कांग्रेस ने धरना भी शुरू किया। छैगांवमाखन क्षेत्र के ग्राम बरूड़ निवासी किसान रामनारायण कुमरावत अपने बेटे श्याम कुमरावत के साथ कलेक्टर सभागार में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर ऋषव गुप्ता के सामने जमीन से जुड़े रास्ते के विवाद का मुद्दा रखा। कलेक्टर ने मामले को दिखवाने का आश्वासन दिया, लेकिन इसी दौरान किसान आक्रोशित हो गया। उसने अधिकारियों कहा- 'तुम सब बिकाऊ हो, समस्या नहीं सुलझाई तो मैं मर जाऊंगा।' इस बयान के बाद सभागार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति बिगड़ती देख सुरक्षाकर्मियों ने हस्तक्षेप किया और पिता-पुत्र को बाहर कर दिया। सूचना मिलने पर सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर मौके पर पहुंचे और दोनों

को हिरासत में लेने के निर्देश दिए। कोतवाली पुलिस ने पिता-पुत्र को कस्टडी में लेकर मजिस्ट्रेट के चैंबर में बैठाया। इसके बाद 2 बजे जेल भेज दिया। दोनों पर शांतिभंग की धाराओं में केस दर्ज किया गया। घटना के बाद शहर कांग्रेस के पदाधिकारी सिटी मजिस्ट्रेट के पास पहुंचे और जमानत की मांग की। उनका कहना था कि वे मुचलका देने को तैयार हैं। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा- 'अभी जमानत नहीं दूंगा, जेल के दरवाजे बंद हो गए हैं। कल ऑफिस समय में आना, जमानत दे देंगे।' इस पर कांग्रेस नेताओं ने आपत्ति जताई और आरोप लगाया कि जानबूझकर जमानत में देरी की जा रही है।

पटवारी पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश, अवैध खनन रोकने गए थे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● जिले के जावर थाना क्षेत्र में शासकीय भूमि पर अवैध उत्खनन रोकने पहुंचे एक पटवारी पर माफिया ने ट्रैक्टर चढ़ाकर जानलेवा हमला कर दिया। ग्राम भकराड़ा में मुरूम का अवैध खनन रोकने गए पटवारी मयंक फुलेरिया ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई। घटना 3 मई की है। पटवारी की शिकायत पर पुलिस ने नामजद और अज्ञात चालकों सहित 4 आरोपियों पर केस दर्ज कर एक जेसीबी जब्त की है। थाना जावर पुलिस ने पटवारी मयंक की शिकायत पर जेसीबी चालक सावन (पिता राजू भिलाला, निवासी बांगरदा), बिना नंबर ट्रैक्टर-ट्रॉली के चालक मुकेश सोलंकी (निवासी बिजौराभील) और ट्रैक्टर के चालक कुंदन (पिता गजेंद्रसिंह राजपूत, निवासी भकराड़ा) को आरोपी बनाया है। इनके अलावा दो अन्य अज्ञात बिना नंबर ट्रैक्टर-ट्रॉली के ड्राइवरों के खिलाफ भी शासकीय कार्य में बाधा और जानलेवा हमले का केस दर्ज किया गया है। तहसील कार्यालय के अनुसार, हल्का नंबर 53 के पटवारी मयंक को ग्राम भकराड़ा के शासकीय नाले की भूमि पर अवैध उत्खनन की सूचना मिली थी।

आईपीएल में आज होगा सनराइजर्स और पंजाब किंग्स का मुकाबला

हैदराबाद (एजेंसी) ● पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों पर दबाव रहेगा कि वे अपनी गिरती फॉर्म को रोकें, जब वे यहां बुधवार को आईपीएल में आत्मविश्वास से भरी सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेंगे। पंजाब, जिसने लगातार छह मैच जीतकर सबको चौंका दिया था, पिछले दो मैच हार गया और इन हारों ने उनकी कमजोरियां उजागर कर दीं, जिन्हें वे जल्दी सुधारना चाहेंगे। हालांकि पंजाब नौ मैचों में 13 अंकों के साथ टॉप पर है, लेकिन अब गलती की गुंजाइश बहुत कम है, क्योंकि बंगलुरु, हैदराबाद, राजस्थान और गुजरात सिर्फ एक अंक पीछे हैं। पंजाब की हालिया गिरावट का बड़ा कारण लय का टूटना है। उनकी धमाकेदार बल्लेबाजी ने सीजन में ज्यादातर समय कमजोर गेंदबाजी को छिपा दिया था, लेकिन अब कमियां दिखने लगी हैं। टॉप ऑर्डर, जिसने शुरुआत में लय बनाई थी, अब लडख़ड़ा गया है। प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह और कूपर कॉनॉली की युवा तिकड़ी का आक्रामक अंदाज अब लापरवाही में बदल गया है, जिससे टीम को शुरुआत में ही झटके लग रहे हैं और मिडिल ऑर्डर पर दबाव आ रहा है।

गेंदबाजी पंजाब की कमजोर कड़ी रही है और इसमें भी कोई खास सुधार नहीं दिखा। अर्शदीप सिंह, मार्को यानसेन चहल सभी रनों का बहाव रोकने में फेल रहे हैं। वहीं, तीसरे नंबर पर मौजूद सनराइजर्स पिछली हार से उबरना चाहेगी, जब कोलकाता नाइट राइडर्स ने उनकी पांच मैचों की जीत की लय तोड़ी थी। इस हार से पैट कमिंस की टीम टॉप पर पहुंचने का मौका भी गंवा बैठी। उस मैच में ट्रैविस हेड और ईशान किशन को छोडक़र बाकी बल्लेबाज नहीं चल पाए। गेंदबाजी में हैदराबाद की टीम संतुलित नजर आती है। कप्तान कमिंस की वापसी से अटैक में धार आई है। ईशान मलिंगा, प्रफुल हिंजे और साकिब हुसैन जैसे गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में सटीक गेंदबाजी की है।

बुमराह पर भड़के गावस्कर बोले, नो बाल स्वीकार नहीं कर सकते

मुंबई (एजेंसी) ● पूर्व कप्तान रहे सुनील गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर का कहना है कि जिस प्रकार से बुमराह ने इस सत्र में 8 नो बाल की है उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। बुमराह ने 3 नो बाल तो लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ ही की थीं। गावस्कर के अनुसार वाइड बाल को एक बार गलती माना जा सकता है पर नो बाल नहीं। बुमराह आईपीएल 2026 में अब तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं. उनको विकेट लेने में काफी संघर्ष करना पड़ा है। इसी कारण मुंबई टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बुमराह ने हिम्मत सिंह को कैच आउट कराया पर गेंद नो बाल हो गयी। इसके बाद हिम्मत ने 40 रन बनाए और लखनऊ का स्कोर 220 के ऊपर पहुंचा दिया।

निशिकोरी इस सत्र के बाद टेनिस को कहेंगे अलविदा

मुंबई (एजेंसी) ● जापान के पुरुष टेनिस खिलाड़ी केई निशिकोरी इस सत्र के अंत में खेल को अलविदा कह देंगे। रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता रहे निशिकोरी किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी हैं। 36 साल के हो रहे निशिकोरी ने अपने संन्यास की योजना सोशल मीडिया में साझा की है। निशिकोरी ने कहा, मैंने इस सत्र के अंत में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेना तय किया है। साथ ही कहा कि टेनिस उनका बचपन का जुनून रहा है। उन्होंने एटीपी टूर तक पहुंचने, शीर्ष स्तर के मुकाबले खेलने और शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उपलब्धि पर खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि इस दौरान उन्हें प्रशंसकों का भी भरपूर प्यार मिला। अपने करियर के बारे में बात करते हुए, निशिकोरी ने स्वीकार किया कि बार-बार लगने वाली चोटों ने उन्हें बहुत परेशान किया। ऐसे भी समय थे जब बार-बार चोट लगने की वजह से वह तनाव के कारण अवसाद ग्रस्त भी हुए हैं। जिससे मैं जैसा चाहता था वैसा नहीं खेल पाता था, उन्होंने कहा। इसके बावजूद, टेनिस के प्रति उनके प्रेम और एक मजबूत खिलाड़ी बनने के विश्वास ने उन्हें हमेशा कोर्ट पर

वापस लौटने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इन सभी अनुभवों ने मेरी जिंदगी को बेहतर बनाया है और उसे आकार दिया है। मैं अपने परिवार और उन सभी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने हर समय मेरा साथ दिया। निशिकोरी ने स्वीकार किया कि वह अब भी अपना खेल करियर जारी रखना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने गर्व के साथ कहा कि उन्होंने अपना सब कुछ दिया। उन्होंने अपनी यात्रा पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, मैं सच में इस रास्ते पर चलकर खुश हूं।

फिल्म 'रेट्रो' के सेट से जुड़े रोमांचक किस्से साझा किए पूजा हेगड़े ने

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपनी फिल्म रेट्रो से जुड़ी कुछ अनसुनी और बेहद रोमांचक यादें प्रशंसकों के साथ साझा कीं। तमिल रोमांटिक-एक्शन फिल्म रेट्रो ने रिलीज के एक साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर पूजा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिनमें शूटिंग के दौरान टीम द्वारा सामना की गई चुनौतियों और उनके जज्बे की झलक मिलती है। अपनी पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म बनाना किसी साहसिक और एडवेंचरस सफर से कम नहीं था। पूजा ने लिखा, फिल्म रेट्रो के रिलीज को एक साल पूरा। शूटिंग के दौरान हमने कई बड़ी चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने बताया कि शूटिंग के समय कई बार भयंकर तूफान आए, काम करते वक्त उनके पैर का लिगामेंट भी फट गया था, जिससे उन्हें काफी चोटें आईं और काफी दर्द सहना पड़ा। इसके अतिरिक्त, सेट पर हर तरफ कीचड़ और फिसलन थी, जिससे काम करना और भी मुश्किल हो गया था, लेकिन इन सभी बाधाओं के बावजूद, उनकी टीम का जज्बा और हौसला बिल्कुल कम नहीं हुआ।

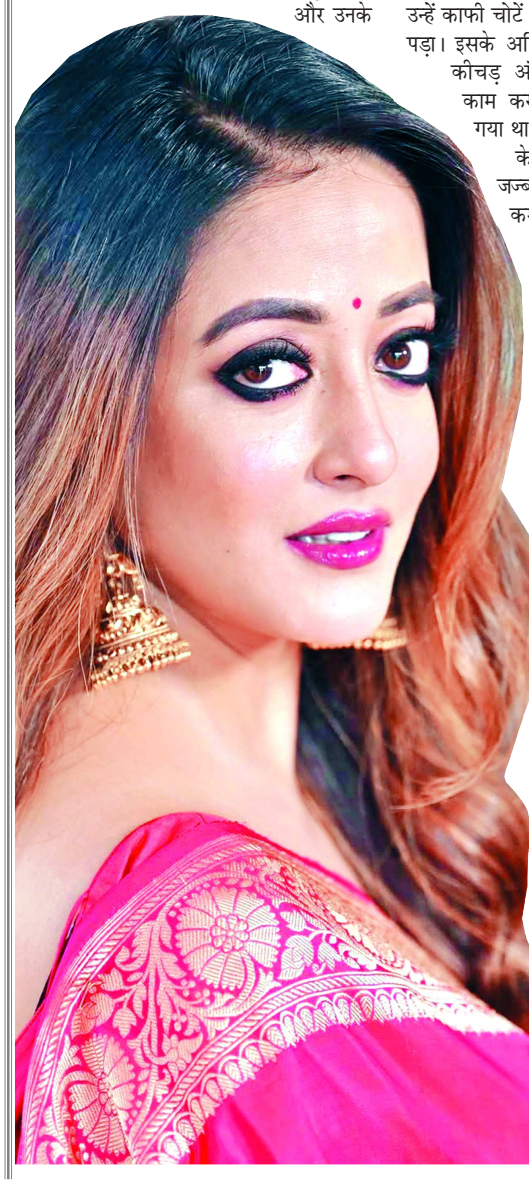

फिल्म 'फूल पिशि ओ एडवर्ड' 29 को होगी रिलीज

मुंबई (एजेंसी) ● अपनी आगामी बंगाली ड्रामा-मिस्ट्री फिल्म फूल पिशि ओ एडवर्ड की रिलीज के लिए अभिनेत्री राइमा सेन पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए निर्देशक जोड़ी नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी के साथ काम करने के अपने शानदार अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने फिल्म के सेट से जुड़ी कुछ तस्वीरें (बीटीएस) भी पोस्ट कीं, जिनमें पूरी टीम के बीच का तालमेल और खुशी साफ झलक रही थी। उन्होंने बताया कि पच्चीस साल बाद जब उन्हें इस प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट के लिए याद किया गया, तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के तुरंत इसके लिए अपनी सहमति दे दी। राइमा ने अपने पोस्ट में लिखा कि शुरुआत में उन्हें शूटिंग का अनुभव कैसा होगा, इसका कोई अंदाज़ा नहीं था। उन्होंने बताया कि उन्होंने निर्देशक नंदिता रॉय के बारे में सुना था कि वे काफी सख्त मिजाज की हैं, लेकिन उनसे मिलने के बाद उनकी यह धारणा पूरी तरह बदल गई।

उज्जैन संभाग

चक्काजाम में शामिल होंगे कांग्रेसी, किसानों के मुद्दों को लेकर 7 मई को प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मध्यप्रदेश में किसान उपार्जन केंद्रों की अव्यवस्था, टोकन सिस्टम में कथित तानाशाही, तुलाई में गड़बड़ी और भुगतान में देरी के विरोध में कांग्रेस ने 7 मई को चक्का जाम करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में शहर कांग्रेस कमेटी की वर्किंग कमेटी की बैठक आयोजित कर रणनीति तय की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 7 मई को शाजापुर में होने वाले चक्का जाम में उज्जैन से करीब 150 वाहनों का काफिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी के नेतृत्व में रवाना होगा, जिसमें बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहेंगे। नेता प्रतिपक्ष डॉ. रवि राय ने बताया कि वे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के साथ शाजापुर में आयोजित

चक्का जाम में शामिल होंगे। वहीं, मुकेश भाटी ने कहा कि यह मुद्दा अब सिर्फ असुविधा का नहीं, बल्कि किसानों के सम्मान, आजीविका और भरोसे से जुड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए हफ्तों इंतजार करना पड़ रहा है और स्लॉट बुकिंग व टोकन सिस्टम पूरी तरह फेल हो चुका है। चक्का जाम में शामिल होने के लिए मंगलवार को उज्जैन में हुई बैठक में नेता प्रतिपक्ष डॉ. रवि राय, संगठन महासचिव अजय राठौर, राजेश राणा, अशोक सारवान, अनवर बाबा, रमेश सांखला, अभिषेक लाला, संचित शर्मा, बब्लू खींची, चंद्रभान सिंह चंदेल, कमल चौहान, वरुण शर्मा, बंटी वसीम, प्रकाश सोलंकी, वीरेंद्र गोसर सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

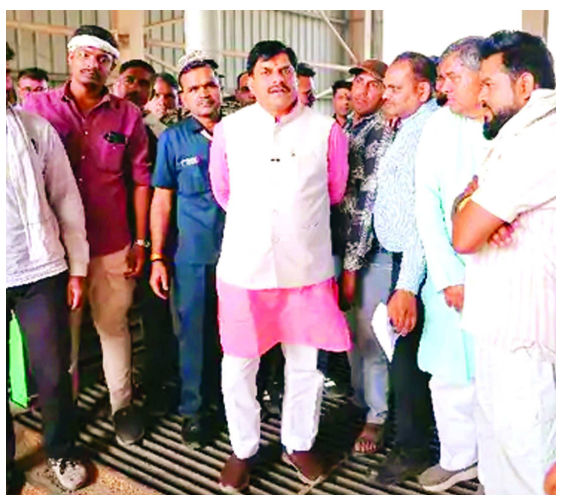

अचानक गेहूं उपार्जन केंद्र पहुंचे सीएम डॉ. मोहन यादव, किसानों से पूछा- परेशानी तो नही

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को अचानक नागझिरी स्थित अडानी एग्रो साइलो उपार्जन केंद्र पहुंच गए। सीएम सुविधाएं देख खुश भी हुए और उन्होंने किसानों से बातचीत कर उपार्जन केंद्र में मिल रही सुविधा पर अधिकारियों को अन्य उपार्जन केंद्रों पर इसी तरह की सुविधा देने के दिशा-निर्देश भी दिए हैं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उपार्जन केंद्र की व्यवस्था देखने मैं स्वयं भी खरगोन के महेश्वर विधानसभा के पास के गांव में अंदर गया था। फिर शाजापुर जिले के अंतर्गत एक विधानसभा के अंदर वहां भी गेहूं उपार्जन देखा।

आज उज्जैन के अंदर गेहूं उपार्जन देखा। अब स्लॉट बुकिंग भी करीब-करीब सबकी हो चुकी है। आज तक 40 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं का उपार्जन या खरीदी हो चुकी है। चना, मसूर की भी समानांतर रूप से सबका खरीदी लगातार चल रही है। हमने कहा कि जिनको बुकिंग कराना हो वह कराएं और इसी आधार पर आज हमने गोडाउन की क्षमता बढ़ाने के निर्देश भी जारी कर दिए।

कहा था- कहीं भी हेलीकॉप्टर उतार सकता हूं

कुछ दिन पहले ही सीएम मोहन यादव ने कहा था कि 'मैं कहीं भी हेलीकॉप्टर उतार सकता हूं और गेहूं उपार्जन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण कर सकता हूं। मंगलवार को उज्जैन की सेवा सहकारी संस्था दताना के नागझिरी स्थित अडानी एग्रो साइलो उपार्जन केंद्र पहुंचे और केंद्र का निरीक्षण किया।

उन्होंने वेयरहाउस की क्षमता बढ़ाने का भी फैसला किया। वेयरहाउस की क्षमता बढ़ने से गेहूं को बेमौसम बारिश से बचाया जा सकेगा। इससे पहले सीएम डॉ. यादव शाजापुर और खरगोन में भी गेहूं उपार्जन का आकस्मिक दौरा कर चुके हैं।

झालरिया मठ के ब्रिज में फिर से गलती: अब मुहाना ऐसा निकाला, जहां सड़क भी बनाना पड़ेगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नृसिंह घाट क्षेत्र में झालरिया मठ पर शिप्रा नदी के ब्रिज के पैरेलल बन रहे करीब 10 करोड़ कह लागत के ब्रिज में दोबारा लापरवाही की बातें सामने आ रही हैं। पहली बार? निर्माण एजेंसी ने यहां पैरेलल ब्रिज बनाने के लिए नदी में गलत जगह भराव कर काम शुरू कर दिया था। बाद में स्थान बदला था।

अब बताया जा रहा है कि जो पैरेलल ब्रिज बनाया जा रहा है उसका एक सिरा पुराने ब्रिज के बिल्कुल पास निर्माण करवाने की प्लानिंग थी। ऐसा इसलिए तय किया था, ताकि भूखी माता मंदिर मार्ग की तरफ जाने के लिए कोई नया मार्ग नहीं बनाना पड़े, लेकिन जिम्मेदार ब्रिज का ?उक्त सिरा तिरछा करने की बजाय सीधा बनाने लगे।

पिछले दिनों अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान इस बात पर आपत्ति भी जताई लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसमें सुधार की गुंजाइश नहीं रही। क्योंकि जिम्मेदारों ने ब्रिज के पाए के लिए नदी में कॉलम खड़े करवाने का काम शुरू कर दिया था।

ऐसे में अब अधिकारियों को इस सिरे को सीधा निर्माण करवाने के बाद बगीचे की जमीन से होते हुए भूखी माता मंदिर मार्ग से जोड़ना पड़ेगा। कलेक्टर रौशनकुमार सिंह ने चर्चा में बताया कि ब्रिज का सिरा बगीचे के रास्ते से निकालते हुए भूखी माता मंदिर मार्ग से टच करवा देंगे। हालांकि उन्होंने लापरवाही व गड़बड़ी जैसी किसी भी बात से इंकार किया।

इस गड़बड़ी के ये जिम्मेदार इस पूरे मामले में जब सेतु शाखा के कार्यपालन यंत्री पीएस पंत से चर्चा करना चाही तो वे बात नहीं करना चाहते।

बालगृह के बाथरूम की ग्रिल तोड़कर तीन बच्चे भागे, सुरक्षा पर सवाल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन के नागझिरी क्षेत्र स्थित लालपुर बालगृह से तीन नाबालिग बच्चों के फरार होने का मामला सामने आया है। बच्चों ने बाथरूम की ग्रिल तोड़कर भागने की वारदात को अंजाम दिया, जिससे बालगृह की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मंगलवार शाम करीब 7 बजे जब बालगृह में बच्चों की गिनती की गई, तो तीन बच्चे कम पाए गए। इसके बाद स्टाफ में हड़कंप मच गया। तुरंत पूरे इलाके में बच्चों की तलाश शुरू की गई, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। जांच में सामने आया कि बच्चे बाथरूम की ग्रिल तोड़कर फरार हुए हैं। भागने वाले बच्चों में दो उज्जैन के और एक शाजापुर का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक शाजापुर का बच्चा एक हफ्ते पहले ही बालगृह में लाया गया था, जबकि उज्जैन के दोनों बच्चे करीब 6 महीने से यहां रह रहे थे।

घटना की सूचना नागझिरी थाने को दी गई। पुलिस टीम ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और शहर के अन्य संभावित स्थानों पर सर्चिंग अभियान चलाया, लेकिन देर रात तक तीनों बच्चों का पता नहीं चल पाया।

पहले भी हो चुकी हैं घटनाएं

यह पहली बार नहीं है जब इस बालगृह से बच्चे फरार हुए हैं। इससे पहले 20 जनवरी 2026 को भी दो नाबालिग बच्चे बाथरूम की ग्रिल और वेंटिलेशन तोड़कर भाग गए थे। वे सुबह करीब 5 बजे फरार हुए थे और अब तक उनका भी पता नहीं लग पाया है। इसके अलावा नवंबर 2023 में भी इसी बालगृह से तीन नाबालिग बच्चे कमरे की ग्रिल तोड़कर भाग गए थे। इनमें एक बच्चा मुंबई और दो राजस्थान के बताए गए थे। वे भी अब तक लापता हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं ने बालगृह की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं और जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

70 रुपए की थाली अब 90 की हुई, 20 का समोसा 25 रुपए में

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर महंगा हुआ तो शहर में होटल व खोमचे वालों ने जलाए लकड़ी के चूल्हे

बढ़ती लागत से छोटे कारोबारियों की बढ़ी चिंता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की बढ़ती कीमतों ने अब इंदौर की रसोई और आम आदमी की थाली दोनों का स्वाद बदल दिया है। शहर में जहां कुछ महीने पहले तक 70 रुपए में मिलने वाली सामान्य थाली अब 90 रुपए तक पहुंच गई है, वहीं 20 रुपए में बिकने वाला समोसा अब 25 रुपए में मिल रहा है।

पोहा, कचोरी, चाय और नाश्ते की अन्य वस्तुओं के दाम भी बढ़ गए हैं। होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और फूड स्टॉल संचालकों का कहना है कि गैस, खाद्य तेल, मसाले, दूध, सब्जियों और मजदूरी की लागत लगातार बढ़ रही है। ऐसे में पुराने रेट पर कारोबार चलाना मुश्किल हो गया है। बढ़ी लागत का सीधा असर अब ग्राहकों की जेब पर पड़ रहा है।

एक महीने में हजार रुपए से ज्यादा बढ़ा सिलेंडर : उल्लेखनीय है कि 1 मई 2026 से इंदौर में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़कर लगभग 3074.50 रुपए हो गई है, जबकि अप्रैल में यही सिलेंडर करीब 2081.50 रुपए में मिल रहा था। यानी एक महीने में करीब एक हजार रुपए की बढ़ोतरी ने छोटे कारोबारियों का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। होटल संचालकों का कहना है कि पहले जहां एक सिलेंडर कई दिनों तक चल जाता था, वहीं अब बढ़ी कीमतों के कारण रोजाना का संचालन खर्च तेजी से बढ़ गया है। छोटे दुकानदारों के लिए यह अतिरिक्त भार संभालना मुश्किल हो रहा है।

फिर जलने लगे लकड़ी और कोयले के चूल्हे : कमर्शियल गैस महंगी होने के बाद शहर के कई छोटे होटल, ठेले और खोमचे संचालक अब पारंपरिक लकड़ी और कोयले के चूल्हों की ओर लौट रहे हैं। खासकर मुस्लिम बहुल इलाकों में चाय, कचोरी, समोसे और अन्य खाद्य पदार्थ फिर पुराने अंदाज में लकड़ी और कोयले की आंच पर तैयार किए जा रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि गैस सिलेंडर के मुकाबले लकड़ी और कोयला कुछ हद तक सस्ता पड़ता है, इसलिए मजबूरी में यह विकल्प अपनाना पड़ रहा है। हालांकि अब लकड़ी की कीमतों में भी तेजी आ गई है। पहले जो लकड़ी कम दाम में आसानी से मिल जाती थी, उसका खर्च अब काफी बढ़ चुका है। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें और बढ़ रही हैं।

छोटे कारोबारियों की बढ़ी चिंता : छोटे होटल संचालकों का कहना है कि ग्राहक पहले ही महंगाई से परेशान हैं। ऐसे में यदि खाने-पीने की चीजों के दाम ज्यादा बढ़ाए जाते हैं तो बिक्री प्रभावित होती है। कई दुकानदारों ने दाम बढ़ाने के साथ-साथ मात्रा भी कम कर दी है। कुछ कारोबारियों का कहना है कि पहले जहां 10 रुपए में मिलने वाली चाय अब 12 से 15 रुपए तक पहुंच गई है, वहीं पोहा, जलेबी और कचोरी के दामों में भी 15 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।

अब मजदूरी भी ज्यादा मांगने लगे - अभी तो घरेलू और कमर्शियल गैस के भाव ही बढ़े हैं, आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ने की आशंका भी नजर आ रही है, ऐसे में अब फुटकर मजदूर अपनी मजदूरी बढ़ाने लगे हैं।

दाहड़ी मजदूरों ने अपनी मजदूरी बढ़ा दी है। सबसे ज्यादा महंगाई का असर निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है, क्योंकि ज्यादातर परिवार के मुखिया निजी कंपनियों में नौकरी पैशा है, जहां वेतन इतनी असानी से नहीं बढ़ रहे हैं, उलटे कई रोजगारों की रोजी तक अमेरिका-ईरान के युद्ध की भेंट चढ़ गई है।

मध्यमवर्ग और मजदूर वर्ग पर सबसे ज्यादा असर

महंगाई का सबसे ज्यादा असर रोज बाहर खाना खाने वाले मजदूर, छात्र और नौकरीपेशा लोगों पर पड़ रहा है। औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों का कहना है कि पहले कम खर्च में दिनभर का भोजन हो जाता था, लेकिन अब रोजाना का खर्च काफी बढ़ गया है। कई परिवारों ने बाहर खाना कम कर दिया है, जबकि छोटे दुकानदारों को ग्राहकों की संख्या घटने की चिंता सताने लगी है। व्यापारियों का मानना है कि यदि गैस और खाद्य सामग्री की कीमतों में राहत नहीं मिली तो आने वाले दिनों में खाने-पीने की वस्तुएं और महंगी हो सकती हैं।

घंटे में इंदौर से भोपाल का सफर होगा पूरा, 10 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनेगा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश में बहुप्रतीक्षित भोपाल-इंदौर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस हाई-स्पीड कॉरिडोर के जरिए दोनों प्रमुख शहरों के बीच यात्रा और तेज व सुगम होगी, लेकिन इसके साथ ही वन क्षेत्र पर प्रभाव को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इस प्रोजेक्ट के लिए कंसल्टेंट नियुक्त कर दिया है और फिलहाल डिजाइन तैयार करने का काम जारी है। वहीं, रायसेन, भोपाल और सीहोर के इछावर क्षेत्र में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है।

यह एक्सप्रेस-वे भोपाल से लगभग 30 किमी दूरी पर रायसेन जिले के इटाया कला क्षेत्र से शुरू होगा और देवास जिले के करनावद के पास समाप्त होगा। सरकार का लक्ष्य है कि इस प्रोजेक्ट को 2028 में होने वाले सिंहस्थ से पहले पूरा कर लिया जाए। इसके लिए करीब 10 हजार करोड़ रुपये का बजट अनुमानित किया गया है।

किन जिलों से गुजरेगा कॉरिडोर-यह हाई-स्पीड कॉरिडोर रायसेन के इटाया कला से शुरू होकर इछावर, सीहोर, आष्टा और देवास होते हुए करनावद तक जाएगा। इस मार्ग से भोपाल, सीहोर, रायसेन और देवास जिलों की करीब 65 लाख आबादी को सीधा लाभ मिलेगा।

अभी भोपाल से इंदौर जाने के लिए मुख्य रूप से बैरागढ़-सीहोर मार्ग (210 किमी) और नीलबड़-रातीबड़ मार्ग (करीब 200 किमी) का उपयोग किया जाता है। नए एक्सप्रेस-वे के बनने से यह यात्रा न केवल छोटी होगी, बल्कि अधिक सुरक्षित और तेज भी हो जाएगी।

क्या होंगे बड़े फायदे-इस परियोजना से ट्रैफिक जाम में कमी आएगी और पेट्रोल-डीजल की बचत होगी। इसके साथ ही व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

2019 से शुरू हुई योजना-इस प्रोजेक्ट की प्लानिंग 2019 में शुरू हुई थी। अब 2026 में डिजाइन और जमीन अधिग्रहण का काम चल रहा है और लक्ष्य रखा गया है कि 2028 सिंहस्थ से पहले इसे पूरा कर लिया जाए।

158 हेक्टेयर भूमि का होगा इस्तेमाल

इस प्रोजेक्ट के चलते वन क्षेत्र पर भी असर पड़ेगा। भोपाल में करीब 24 हेक्टेयर वन भूमि प्रभावित होगी, जबकि रायसेन को जोड़ने पर यह आंकड़ा 52 हेक्टेयर तक पहुंच जाएगा। पूरे प्रोजेक्ट के तहत लगभग 158.25 हेक्टेयर वन भूमि का उपयोग इस हाई-स्पीड कॉरिडोर के निर्माण में किया जाएगा।

दूरी होगी कम

फिलहाल भोपाल और इंदौर के बीच की दूरी लगभग 188 से 210 किमी के बीच है, लेकिन नए एक्सप्रेस-वे के बनने के बाद यह दूरी करीब 50 किमी तक कम हो जाएगी। यात्रा का समय घटकर लगभग 1.30 से 2 घंटे के बीच रह जाएगा, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

बैठकों के बावजूद नहीं थमे वन अपराध, इंदौर वन वृत पर उठे सवाल!

कागजों में सख्ती, जमीन पर माफिया सक्रिय; कटाई, तस्करी और अतिक्रमण जारी!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर/धार ● इंदौर वन वृत में लगातार हो रही उच्चस्तरीय बैठकों के बावजूद वन अपराधों पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। सीसीएफ पीएन मिश्रा द्वारा नियमित समीक्षा बैठकों में सख्त निर्देश दिए जाने के दावों के बीच जमीनी हकीकत इसके उलट नजर आ रही है।

सूत्रों के अनुसार, बैठकों के बाद भी जंगलों में अवैध पेड़ कटाई, दुर्लभ जड़ी-बूटियों की तस्करी और वन्यजीवों की खरीद-फरोख्त का सिलसिला जारी है। धार और पीथमपुर क्षेत्र में अवैध लकड़ी परिवहन के मामले भी सामने आ रहे हैं।

धार रेंज की सुल्लियाबाड़ी बीट में लगातार अवैध कटाई की शिकायतें हैं, जबकि जांच रिपोर्ट लंबित बताई जा रही है। वहीं मांडव रेंज की ल्वाणी बीट में अतिक्रमण हटाने पर खर्च के बावजूद कब्जे फिर से हो गए हैं। आगजनी की घटनाएं भी चिंता का विषय बनी हुई हैं, जबकि विभाग द्वारा अग्नि सुरक्षा पर खर्च किए जाने की बात सामने आई है।

सूत्रों ने विभाग के एक कर्मचारी की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं, जिस पर नियमों के विरुद्ध लकड़ी परिवहन पास जारी करने के आरोप हैं। कोर्ट आदेश और 'मुसावदा कांड' जैसे मामलों में भी ठोस कार्रवाई न होने से सवाल खड़े हो रहे हैं। अवैध परिवहन रोकने गई टीम पर हमले के बाद भी जांच ठंडे बस्ते में बताई जा रही है। उड़नदस्ता टीम की सक्रियता पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब देखना होगा कि जिम्मेदार अधिकारी जमीनी कार्रवाई तेज करते हैं या हालात ऐसे ही बने रहते हैं। इस संबंध में सीसीएफ पीएन मिश्रा से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनका शासकीय मोबाइल नंबर बंद मिला।

सोनम रघुवंशी के प्रेमी राज कुशवाह और तीनों आरोपियों की जमानत पर फैसला सुरक्षित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलांग में हनीमून पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा हत्या कराने का केस है। इस मामले में सोनम की जमानत होने के बाद उसके तथाकथित प्रेमी राज कुशवाह ने भी जमानत फिर लगा दी है। अन्य आरोपियों की भी जमानत याचिका पर सुनवाई हो गई। इसके पहले राज की जमानत याचिका तकनीकी आधार पर खारिज हो गई थी। राजा रघुवंशी की हत्या के केस में सोनम की जमानत के बाद चार और जमानत याचिकाएं लग गई हैं। इसमें सोनम के तथाकथित प्रेमी राज कुशवाह के साथ ही राज पर हथियार से वार कर हत्या करने वाले विशाल चौहान, आनंद कुर्मी और आकाश राजपूत की भी याचिका लग गई है। इस पर मंगलवार को शिलांग जिला कोर्ट में सुनवाई हो गई है। आदेश सुरक्षित रखा है, जिस पर एक दो दिन में फैसला आ सकता है। राज कुशवाह और अन्य आरोपियों ने सोनम की तरह ही जमानत की मांग की है। इसके पहले जिला कोर्ट ने सोनम को इस आधार पर जमानत दी थी कि गिरफ्तारी की प्रक्रिया संवैधानिक नहीं थी। इसमें गिरफ्तारी के आधार के लिए गलत धारा 103 की जगह 403 बताई गई।

मामला 100 करोड़ की जमीन की फर्जी एनओसी का

आईडीए की शिकायत पर पुलिस कर रही विवेचना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण के समयपाल शिवम श्रीवास्तव ने अफसरों की नाक के नीचे से एक ऐसी योजना स्थित जमीन की फर्जी एनओसी जारी ही नहीं कर सकता हैं। जबकि उक्त ठ्ठश्च का पूरा रिकॉर्ड आईडीए ने पहले ही सुप्रीम कोर्ट तक जमा कर रखा हैं। लेकिन इसके बावजूद भी फर्जी एनओसी जारी होने का खेल जारी रहा। लेकिन टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ऑफिस से आए ईमेल ने अधिकारियों के होश उड़ा दिए थे। क्योंकि उक्त एनओसी इंदौर विकास प्राधिकरण से जारी हुई ही नहीं थी। लिहाजा जब सीईओ डॉक्टर परीक्षित झाड़े ने उक्त मामले की जांच करवाई तो एक बड़े मामले का खुलासा हुआ। और टीएनसी द्वारा भेजे गए ईमेल और उसमें अटैच एनओसी को देख अधिकारी भी हैरान थे। क्योंकि उक्त एनओसी में भू अर्जन अधिकारी से लेकर तत्कालीन सीईओ तक की साइन थी। उक्त मामले में आईडी में ही पदस्थ समयपाल शिवम श्रीवास्तव की भूमिका संदेहास्पद मिली थी। क्योंकि समयपाल शिवम श्रीवास्तव ने उक्त टीएनसी को ईमेल आईडीए की विधि शाखा से ही किया था। लिहाजा इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा उक्त मामले में पुलिस को शिकायत की गई थी। और फिलहाल पुलिस विवेचना जारी हैं। बताया जा रहा है कि उक्त मामले में शामिल लोगों पर धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज होना तय हैं। इधर उक्त पूरे मामले में शामिल समयपाल शिवम श्रीवास्तव फरार है लेकिन इससे ही जुड़े कुछ कर्मचारी अब आईडीए में माहौल बना रहे है और तो और यह कहने से नहीं चूक रहे है कि उक्त मामले में शिवम श्रीवास्तव का कुछ होने वाला नहीं हैं। वहीं दूसरी तरफ आईडीए के भू अर्जन अधिकारी सुदीप मीणा का कहना है कि किसी भी स्थिति ऐसे लोगों को बक्शा नहीं जाएगा जो फर्जीवाड़ा कर रहे हैं। इधर जिस जमीन की आईडीए से फर्जी एनओसी जारी हुई। उसी जमीन के मालिक भाटिया ने इंदौर विकास प्राधिकरण को पत्र पर पत्र लिखते हुए खुद की जमीन की फर्जी एनओसी जारी होने पर अपनी ओर से ड्ड्ढ को जवाब दिया है कि उसे इस पूरे मामले की जानकारी नहीं है। टीएनसी उसने जारी नहीं करवाई हैं लेकिन आईडीए अधिकारी इस बात को मानने को तैयार नहीं है कि जिस व्यक्ति की जमीन की फर्जीटीएनसी जारी हुई। लिहाजा अब पूरे मामले में पुलिस जांच पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। क्योंकि पुलिस जांच में यह स्पष्ट हो जाएगा कि फर्जी टीएनसी कांड में कौन कौन शामिल हैं।

भाजपा के पूर्व पार्षद ने मंदिर की जमीन पर बना लिया मकान

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

प्रदेश में भाजपा की सत्ता कई सालों से है लेकिन इसका फायदा भाजपा के कुछ नेता उठा रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण हातोद नगर में भाजपा नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि के मामा ने मंदिर की जमीन पर मकान निर्माण कर दिया सत्ता का नशा इनके सर चढ़ कर बोल रहा है। गरीबों के लिए कानून अमीरों को मिली छूट जानकारी में पता चला हातोद नगर वार्ड क्रमांक 7 में भैरू महाराज का मंदिर है। जहां मंदिर की जमीन पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि के मामा पूर्व पार्षद लीलाधर राठौर ने कब्जा कर मकान निर्माण कर दिया। मामले के खुलासा उस समय हुआ हातोद रहवासी अपने भैरू महाराज की पूजा अर्चना करने पहुंचे उन्होंने देखा की मंदिर की जमीन पर किसी ने मकान बना दिया। इसकी शिकायत हातोद एसडीएम से लेकर कलेक्टर तक हुई कार्यवाही में हातोद नगर परिषद सीएमओ रहे संजय रावत ने कार्यवाही करते हुए बन रहे। मकान के बीम कलाम को तुड़वा दिया था लेकिन मंदिर की जमीन पर कब्जा कर मकान बनाने वाले लीलाधर राठौर भाजपा के पूर्व पार्षद रहे हैं सत्ता धारी नेताओं का हाथ इनके साथ होने के कारण वापस मकान निर्माण का कार्य चालू कर दिया इस दौरान हातोद एसडीएम रहे रवि वर्मा ने भी कार्यवाही कर मकान निर्माण का काम रुकवा दिया था साथ ही मकान तोड़ने के निर्देश दिए थे लेकिन पूर्व पार्षद लीलाधर राठौर ने अधिकारियों से मिली भगत कर मामले को निपटा दिया मकान निर्माण के मामले को भाजपा नेता दबाने का प्रयास कर रहे हैं लीलाधर राठौर भाजपा के पूर्व पार्षद है उनके रिश्तेदार वर्तमान हातोद नगर परिषद के अध्यक्ष हैं जिसका भरपूर फायदा राठौर उठा रहे हैं सूत्र बताते हैं अधिकारियों की कार्यवाही में भाजपा नेता दखलअंदाजी कर रहे हैं। इसलिए आज तक निर्माणाधीस मकान को तोड़ा नहीं गया।

भेरूमहाराज मंदिर की जमीन पर रसूखदार का कब्जा

प्रशासनिक कार्यवाही पर भी उठे सवाल एसडीएम के निर्देश थे तो कार्यवाही क्यों नहीं की गई क्या इस पूरे मामले में सेटिंग से काम चल रहा है नगर परिषद सीएमओ से बात करो तो कहते हैं तहसीलदार से बात करो तहसीलदार से बात करो तो कहते हैं यह मामला कोर्ट में चल रहा है इस पर स्टे मिला है कोर्ट में मामला चल रहा है तो फिर मकान निर्माण कैसे हो रहा इसका जवाब तहसीलदार नहीं दे पाए एसडीएम विनोद राठौर से बात करना चाहि तो उन्होंने कहा मेरे पास अभी समय नहीं है मैं इस विषय में बाद में चर्चा करूंगा जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में लीपापोती कर रहे हैं भाजपा नेताओं के दबाव के कारण अधिकारी इस विषय पर बात नहीं करना चाहते।

भाजपा के नेता भगवान के मंदिर की जमीन पर कब्जा कर अपना मकान निर्माण कर रहे हैं क्या इनके लिए कोई कानून या कायदे नहीं है क्या भाजपा नेता शासन प्रशासन को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं या फिर भाजपा की छबि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा इस मामले में कल इंदौर जनसुनवाई में भी शिकायत की गई है इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा एक्शन मोड में चल रहे हैं कल ही उन्होंने सिरपुर में करोड़ों रुपए की जमीन मुक्त कराई है भूमाफियों की जमीन हिला कर रख दी उम्मीद है इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा इस मामले में संज्ञान लेंगे और जल्द ही बड़ी कार्यवाही हातोद में करवाएंगे।

इस मामले में नगर परिषद सीएमओ तहसीलदार और एसडीएम ने पल्लाझाड़ लिया है लेकिन अब देखना होगा प्रशासन इस मामले में क्या कार्यवाही करता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।